सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 308 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 21 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीएम विष्णुदेव साय 10 दिनों के लिए रवाना हुए जापान और दक्षिण कोरिया

छत्तीसगढ़ बन रहा औद्योगिक विकास व निवेश केन्द्र जापान-दक्षिण कोरिया के इन्वेस्टर्स को देंगे बुलावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को 10 दिवसीय दौरे पर जापान व दक्षिण कोरिया के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी कौशल्या देवी साय और प्रशासनिक अधिकारी भी विदेश दौरे पर जा रहे हैं। सीएम साय जापान और दक्षिण कोरिया के प्रवास के दौरान ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में शामिल होकर निवेशकों व उद्यमियों से छत्तीसगढ़ की नई उद्योग नीति पर चर्चा करेंगे। रायपुर एयरपोर्ट पर सीएम साय ने कहा- छत्तीसगढ़ नई औद्योगिक नीति के साथ तेजी से औद्योगिक विकास व निवेश का केंद्र बन रहा है। यहां निवेश के लिए जापान व दक्षिण कोरिया के इन्वेस्टर्स को आमंत्रित करेंगे।

रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले सीएम साय को सीऑफ करने प्रदेश के मंत्रीमंडल के साथी मौजूद रहे। एक्स पर सीएम साय ने तस्वीर साझा कर साथियों का आभार जताया। एक्स पर सीएम साय ने लिखा कि आज जापान एवं दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय प्रवास पर रवाना हो रहा हूं। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर में शुभकामनाएं देने पहुंचे मेरे सम्माननीय सहयोगी कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम, टंकराम वर्मा, गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब एवं विधायक पुरंदर मिश्रा सहित सभी का हृदय से आभार है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सबके स्नेह और मंगलकामनाओं से यह प्रवास निश्चित ही प्रदेश में निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में नए अवसरों के द्वार खोलेगी।

बता दें सीएम साय रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से पहले नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे सड़क मार्ग से छत्तीसगढ़ सदन पहुंचेंगे। दिल्ली में सीएम साय वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। छत्तीसगढ़ सदन में विश्राम के बाद वे दिल्ली से फिर जापान व दक्षिण कोरिया के लिए रवाना होंगे। माना एयरपोर्ट पर सीएम साय को यात्रा की शुभकामनाएं देने पहुंचे मंत्रियों व विधायकों का आभार जताया। सीएम साय के साथ दिल्ली तक मंत्री रामविचार नेताम और पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल भी साथ रहेंगे।

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए देंगे उद्यामियों को निमंत्रण

दौरे पर रवाना होने से पहले मीडया से चर्चा के दौरान सीएम साय ने कहा कि जापान व दक्षिण कोरिया में इलेक्ट्रानिक्स, ऑटो मोबाइल्स, फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र के अच्छा काम हो रहा है। छत्तीसगढ़ में भी इसकी आपार संभावनाएं हैं। जापान व दक्षिण कोरिया में उद्योगपतियों से चर्चा होगी और छत्तीसगढ़ में निवेश पर चर्चा की जाएगी। छत्तीसगढ़ की नई उद्योगनीति के बारे में बताया जाएगा। छत्तीसगढ़ में नई उद्योगनीति लागू होने के बाद साढ़े 6 लाख का निवेश हुआ है और उसमें से बहुत सा काम हो चुका है। आगे और इसमें उन्नति होगी। जापान व दक्षिण कोरिया के उद्यामियों को आमंत्रित करेंगे।

पहले जापान और उसके बाद जाएंगे दक्षिण कोरिया

सीएम साय पहले जापान दौरे पर पहुंचेंगे और उसके बाद मुख्यमंत्री साय और उनका दल दक्षिण कोरिया जाएगा। जहां वे औद्योगिक साझेदारी, तकनीकी हस्तांतरण और लॉजिस्टिक्स सुधार से जुड़ी अहम बैठकों में हिस्सा लेंगे। दक्षिण कोरिया के साथ सहयोग से राज्य में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और बेहतर अधोसंरचना विकास के नए अवसर खुलेंगे। वे कारोबारियों को प्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेंगे। इन बैठकों में निवेश आकर्षित करने, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विकास के नए मॉडल पर चर्चा की जाएगी। सरकार का विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर फोकस होगा।

अर्थव्यवस्था मजबूत करने विदेशी निवेश जरूरी

प्रदेश सरकार मानती है कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए विदेशी निवेश जरूरी है। इसी दिशा में यह दौरा किया जा रहा है। सरकार चाहती है कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर का हब बनाया जाए।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश करने वाले उद्यमियों को हर तरह की सुविधा दी जाएगी। राज्य में उद्योगों के लिए जमीन, बिजली और मानव संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस दौरे से नए निवेश के रास्ते खुलेंगे और छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

सीएम बनने के बाद पहला विदेश दौरा

छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनने के बाद विष्णुदेव साय का यह पहला विदेश दौरा है। इसे लेकर न केवल उद्योग जगत बल्कि प्रदेश की जनता की भी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। छत्तीसगढ़ की नई उद्योग नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का यह बड़ा अवसर है। प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेशकों को प्रोत्साहन देने वाली योजनाओं के चलते यहां उद्योगों के लिए अच्छा माहौल है। सीएम साय जापान व दक्षिण कोरिया में कई बैठकों में शामिल होंगे।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बारिश का सिस्टम कमजोर, उत्तरी हिस्से में 5 दिन बरसात

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बारिश का सिस्टम कमजोर हो गया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को रायपुर, बलौदाबाजार, बिलासपुर, रायगढ़, मुंगेली, कोरबा, सूरजपुर, बलरामपुर समेत 14 जिलों में बिजली गिरने, बादल गरजने और आंधी चलने का यलो अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में अगले पांच दिनों तक गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं दक्षिणी हिस्से में मानसून आज से कमजोर पड़ेगा। पिछले 24 घंटों में बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभागों के अधिकांश जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई है।

रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभागों के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई और सरगुजा संभाग में हल्की वर्षा हुई। वहीं तापमान की बात करें तो प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 31.6 मिमी दुर्ग में और सबसे कम न्यूनतम तापमान भी 19.2एष्ट दुर्ग में दर्ज किया गया। सिनौप्टिक सिस्टम की बात करें तो छत्तीसगढ़ के मध्य भागों और उससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश में बना लो प्रेशर एरिया कमजोर हो गया है। हालांकि, इससे जुड़ा साइक्लोन सर्कुलेशन दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में एक्टिव है। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 773.4 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1147.2 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 394.9 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

प्रोटीन पाउडर मंगवाया, मिला गेहूं-चावल का आटा, ग्राहक ने की शिकायत

कोरबा। ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता चलन लोगों को सुविधा तो दे रहा है, लेकिन कई बार यह महंगा भी पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला कोरबा के रवि शंकर शुक्ला नगर से सामने आया है, जहां एक शख्स को ई कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट से प्रोटीन पाउडर मंगाना भारी पड़ गया। रवि शंकर शुक्ला नगर के निवासी व्यापारी उत्तम चंद्र गोयल ने बताया कि उन्होंने फ्लिपकार्ट के जरिए प्रोटीन पाउडर का ऑर्डर दिया था। जब प्रोडक्ट उनके पास पहुंचा और उन्होंने उसकी पैकिंग खोली, तो यह देखकर दंग रह गए कि अंदर प्रोटीन पाउडर के बजाय गेहूं और चावल का मिलावटी आटा था। व्यापारी ने उपभोक्ता फोरम और खाद विभाग से शिकायत की है।

उत्तम चंद्र गोयल ने बताया कि उन्होंने इस धोखाधड़ी की शिकायत करने के बाद भी एक बार फिर से उसी प्रोडक्ट का ऑर्डर दिया ताकि वे इस जालसाजी को साबित कर सकें। जब ई-कार्ट का डिलीवरी स्टाफ दोबारा सामान लेकर उनके घर पहुंचा, तो उत्तम चंद्र गोयल ने उनके सामने ही पैकेट खोला। आश्चर्यजनक रूप से, इस बार भी पैकेट के अंदर वही मिलावटी आटा निकला। इस घटना के बाद उत्तम चंद्र गोयल ने ऑनलाइन शॉपिंग को लेकर अपनी निराशा जाहिर की है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि वे फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से सामान मंगाने से बचें, क्योंकि ऐसी धोखाधड़ी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना का वीडियो भी बनाया गया है, जिसे उन्होंने लोगों के बीच साझा किया है ताकि अन्य लोग भी सतर्क हो सकें।

सीएम रेखा गुप्ता को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

■ **आरोपी राजेश को पांच दिन की पुलिस रिमांड**

नई दिल्ली ए.। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान कर दी है। सीएम रेखा गुप्ता की सिक्योरिटी में 22 से 25 हथियारबंद जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे। गुप्ता और उनके आधिकारिक आवास की सुरक्षा अर्धसैनिक बल का वीआईपी सिक्योरिटी ग्रुप करेगा। यह ग्रुप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सोनिया-राहुल और प्रियंका गांधी की सुरक्षा में भी तैनात है।

बता दें दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के सरकारी आवास पर बुधवार सुबह साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान फरियादी बनकर आए एक युवक ने अचानक मुख्यमंत्री पर हमला कर दिया। आरोपी ने सीएम को कुछ पेपर दिए इसके बाद उसने चिल्लाना शुरू कर दिया। बाद में आरोपी ने सीएम का हाथ और बाल पकड़े और उनके साथ धक्का-मुक्की करने लगा। आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

सूचना मिलते ही संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा और पुलिस उपायुक्त राजा बांठियासीएम आवास पहुंचे। फौरन मुख्यमंत्री को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज हुआ। आरोपी को तुरंत ही पकड़कर सिविल लाइंस थाने लाया गया। उसकी पहचान राजकोट, गुजरात निवासी राजेश भाई खिमजी भाई सकरिया (41) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी राजेश खिमजी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी राजेश को दिल्ली पुलिस ने देर रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका स्थित एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से उसका मोबाइल फोन, आधार व बाकी कागजात बरामद किए हैं। इस बात का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह किसी सियासी साजिश का हिस्सा तो नहीं। उसके साथ कौन-कौन दिल्ली आया है। उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

भिलाई तीन में दिन दहाड़े घर में सेंधमारी, लाखों के जेवर व नगदी पार, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के तहत वसुंधरा नगर भिलाई तीन में बुधवार को दिन दहाड़े चोरी घटना से हड़कंप मच गया। भरी दोपहरी में दो घंटे के अंदर जिला अस्पताल दुर्ग में ओटी अटेंडर का करने वाली महिला के घर में घुसकर लाखों के जेवर व नगदी पर हाथ साफकर दिया। इस मामले में महिला की शिकायत पर पुरानी भिलाई पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(ए), 331(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल दुर्ग मे ओटी अटेंडर बबीता वर्मा दक्षिण वंसुधरा नगर भिलाई 3 में रहती है। उन्होंने थाने पहुंचकर अपनी शिकायत में बताया कि बुधवार की दोपहर लगभग 1.45 बजे वह घर मे ताला बंद कर ड्यूटी चली गई। उसकी बेटी रिमझिम वर्मा (10) स्कूल गई थी और उसकी मां नगर निगम मे डयूटी पर गई थी। बबीता वर्मा ने बताया कि उसकी बेटी शाम करीब 4 बजे स्कूल से घर पहुंची तो घर के दरवाजा खुला था। अंदर जाकर देखी तो कमरे मे सामान बिखरे पडे थे। यह देख बेटी ने मां को फोन किया। बबीता वर्मा घर पहुंची और देखा कि मकान के मेन दरवाजा का लगा ताला नीचे पड़ा था। बेडरूम मे सामान बिखरे थे तथा जेवर रखने के बाक्स एवं बैग खुले पड़े थे। आलमारी का दरवाजा खुला था। आलमारी के लाकर को किसी वस्तु से अटैच कर तोड दिया गया। आलमारी के लाकर मे रखे सोने के रानी हार, सोने के चैन नेकलेस, झुमका, 4 अंगुठी, आईरिंग, सोने के छोटे बडे अंगुठी, सोने के लाकेट, चांदी की पायल नौ नग, चाबी रिंग तीन नग तथा 25000 रुपए नगदी नहीं था।

दिल्ली के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल आने के बाद मच गया हड़कंप

■ **धमकी के बाद एक्शन में पुलिस, खाली कराए गए सभी स्कूल**

नईदिल्ली ए.। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। गुरुवार को दिल्ली के स्कूलों को एक बार फिर उड़ाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के द्वारका सेक्टर-5 और प्रसाद नगर समेत छह स्कूलों को ईमेल भेजकर बम की धमकी मिली दी गई है। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग मौके पर पहुंचे हैं। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा दिया गया है। बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है।

दिल्ली अग्निशमन विभाग के मुताबिक, अलग-अलग जगहों पर स्कूल में बम की धमकी की जानकारी मिली है। इसके बाद से ही दिल्ली पुलिस और फायर की टीम मौके पर मौजूद हैं। पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। प्रसाद नगर स्थित आंध्र एजुकेशन सोसाइटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द्वारका सेक्टर 5 स्थित बीजीएस इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, छावला स्थित राव मान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द्वारका सेक्टर 1 स्थित मैक्सफोर्ट स्कूल और द्वारका सेक्टर 10 स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल सहित छह स्कूलों को आज बम से उड़ाने की धमकी मिली।

कल 55 से ज्यादा स्कूलों को मिली थी धमकी

इससे पहले बुधवार को दिल्ली के 55 से ज्यादा स्कूलों को बुधवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। इनमें द्वारका स्थित राहुल मॉडल स्कूल और मैक्सफोर्ट स्कूल, मालवीय नगर स्थित एसकेवी और प्रसाद नगर स्थित आंध्रा स्कूल शामिल हैं। पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू किया। हालांकि, किसी भी स्कूल में तलाशी लेने के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं इससे सपहले 18 अगस्त को दिल्ली के 32 स्कूलों को इसी तरह की धमकी मिली थी। इससे पहले दिल्ली के द्वारका के सेंट थॉमस स्कूल और दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पिछले साल मई में भी स्कूलों को भरे मेल मिले थे। मई 2024 में भी डीपएस द्वारका सहित कई स्कूलों को इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे

पापा की परियों पर नोरा फतेही वाला दबाव

श्रीकंचनपथ

दहेज को लेकर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के किस्सों में अब नया कुछ नहीं रहा। दहेज को लेकर स्टैंडर्ड तानों पर तो पूरी किताब लिखी जा सकती है। पर दिमाग क्रिएटिव हो तो दहेज प्रताड़ना की बासी कढ़ी में भी उबाल आ जाता है। हमें यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं कि दहेज के मामलों में हम किसी के साथ नहीं हैं। न देने वाले के और न लेने वाले के। यदि आपने ढंग का दूल्हा खरीदने के लिए कोई सौदा किया था तो नियम और शर्तें भी खुद ही तय कर लेनी चाहिए थी। इसी सड़ेले सिस्टम की वजह से लड़के जिससे प्यार करते हैं, उससे शादी नहीं करते। उन्हें लगता है कि रिश्ता माता-पिता लेकर आएंगे तो मुफ्त का सामान तो मिलेगा ही, बीवी के नखरे भी ज्यादा नहीं उठाने होंगे। वैसे भी अब दहेज मांगी नहीं जाती बल्कि तश्तरी में सजाकर ऑफर की जाती है। जिसकी तैयारी अच्छी होती है, वह बाजी मार जाता है। दहेज के खिलाफ कुछ बोलो तो घर वाले ही काटने को दौड़ते हैं। जैसे-जैसे कमाई बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे इस दानव का मुंह भी फैलता जा रहा है। रही सही कसर किस्त पर पूरा गांव खरीदने की सहूलियत ने पूरी कर दी है। पर इस बार मामला जरा अलग है। नव-ब्याहता का आरोप है कि उसका पीटी टीचर पति उससे प्रतिदिन 2 घंटे जिम करवाता है। वह कहती है कि उसके पति को नोरा फतेही जैसी फिगर वाली लड़की चाहिए थी। आरोप यह भी है कि उसके पति ने कभी उसे हाथ भी नहीं लगाया। मुरादनगर की रहने वाली युवती की शादी इसी साल मार्च में मेरठ के एक सरकारी फिजिकल एजुकेशन टीचर से हुई। सरकारी नौकरी वाला लड़का पकड़ने के लिए पक्का ही लड़की वालों ने एड़ी चोटी का जोर लगाया होगा। सरकारी क्षेत्र के बैंक भी ऐसा ही करते हैं। सरकारी मुलाजिमों पर वो कुछ ज्यादा ही मेहरबान होते हैं। आरोप हैं कि शादी में स्कॉर्पियो सहित कई मांगें रखी गई थीं जिसे पूरा भी किया गया। शादी पर 70 से 75 लाख रुपए का खर्च आया। बावजूद इसके सुहागरात को भी पति करीब नहीं आया। इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो वक्त ही बताएगा पर नोरा फतेही वाला एंगल हिट हो गया। खबर पर हमारी नजर भी इसीलिए पड़ी। वैसे पापा की परियों को थोड़ा बहुत फिट करने की ख्वाहिश रखने वाले पतियों की कोई कमी तो नहीं है पर सीधे नोरा फतेही वाली डिमांड शायद कोई नहीं करता। हो सकता है पीटी मास्टर ने बीवी को मोटिवेट करने के लिए ऐसा किया हो। दबाव बनाने के लिए सुहागरात टाली हो। पर कानून की नजर में यह जुर्म है। इसके आधार पर तलाक भी हो सकता है। वैसे, पापा की परियों को अब तो समझ ही जाना चाहिए की अच्छी शादियां केवल दान-दहेज से नहीं चलतीं। थोड़ा-बहुत अनुशासन भी चाहिए होता है।

संपादकीय

कूटनीतिक संबंधों में तुलना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान की जो तुलना शुरू हुई है वह आगे भी जारी है। कूटनीतिक संबंधों में तुलना हो रही है तो वैश्विक व्यापार के मामले में भी तुलना हो रही है। सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया में भी बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के उत्पादों पर अमेरिका में पहले 29 फीसदी टैक्स लगता था, जिसे घटा कर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 19 फीसदी कर दिया है। उसके साथ अमेरिका ने तेल उत्खनन का समझौता भी किया, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियां पाकिस्तान में तेल खोजेंगी और तेल निकालेंगी। इसे लेकर ट्रंप ने तंज भी किया कि एक दिन हो सकता है कि पाकिस्तान भी भारत को तेल बेचे।

> **यह बड़ा मजाक है। अब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर तीन महीने में दूसरी बार अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं। वे जून में पांच दिन के लिए अमेरिका गए थे, जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके लिए व्हाइट हाउस में लंच का आयोजन किया। अगले हफ्ते वे फिर अमेरिका जा रहे हैं। एक तरफ पाकिस्तान पर अमेरिका ने टैरिफ कम कर दिया, दूसरी ओर उसे तमाम अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से कर्ज या अनुदान दिलाया और उसके सैन्य नेतृत्व का भी अमेरिका में स्वागत किया जा रहा है।**

बांग्लादेश पर राष्ट्रपति ट्रंप ने 26 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था तब भारत में इस बात पर बड़ी खुशी जताई जा रही थी। तमाम आर्थिक जानकार दावा कर रहे थे कि इससे भारत के लिए बहुत बड़ा मौका बना है। बांग्लादेश परर 26 फीसदी टैरिफ लगा दिया गया है, जबकि भारत 10 फीसदी बेसलाइन टैरिफ के साथ अमेरिका से कारोबार कर रहा है तो इसका बड़ा लाभ भारत को मिलेगा। कहा जाने लगा कि भारत अब टेक्सटाइल का पूरा बाजार कब्जा कर लेगा। बांग्लादेश के उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे तो भारत के उत्पादों की मांग बढ़ेगी। लेकिन दो महीने से भी कम समय में तस्वीर बदल गई।

बांग्लादेश पर तो 26 फीसदी टैरिफ लगा है लेकिन भारत पर टैरिफ बढ़ कर 50 फीसदी हो गया यानी बांग्लादेश से लगभग दोगुना। तो अब क्या होगा? अब तो अमेरिकी बाजार में भारत के टेक्सटाइल उत्पादों के लिए जो भी जगह थी वह बांग्लादेश को जा सकती है। हालांकि बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इसका लाभ उठाए लेकिन अगर वहां राजनीतिक स्थिरता होती तो वह भारत पर लगाए गए भारी भरकम टैरिफ का लाभ उठा सकता था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसे पाकिस्तान पर लगने वाला टैरिफ 29 से घटा कर 19 फीसदी किया उसी तरह भारत के एक अन्य पड़ोसी श्रीलंका पर लगने वाला टैरिफ भी 24 फीसदी से घटा कर 20 फीसदी कर दिया। यह कमाल की बात है कि जब राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार दुनिया के देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ की घोषणा की तो श्रीलंका पर 44 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया। बाद में ट्रंप ने इसे घटा कर 30 फीसदी किया और अंत में 31 जुलाई की वार्ता के बाद अमेरिका ने श्रीलंका के निर्यात पर टैरिफ घटा कर 20 फीसदी कर दिया। हालांकि श्रीलंका से अमेरिका का निर्यात बहुत कम है। वह करीब तीन अरब डॉलर का निर्यात अमेरिका को करता है। लेकिन माना जा रहा है कि टैरिफ की दर कम होने के बाद उसका निर्यात बढ़ेगा। दिलचस्प बात यह है कि श्रीलंका भी अमेरिका को सबसे ज्यादा टेक्सटाइल और रबड़ से बने उत्पादों का निर्यात करता है। इस तरह अमेरिका के टेक्सटाइल बाजार पर बांग्लादेश, श्रीलंका और कुछ हद तक वियतनाम की भी नजर होगी।

सोचें, भारत की क्या स्थिति हो गई? भारत के अलावा किसी दूसरे पड़ोसी देश ने अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दोस्ती का डंका नहीं पीटा। लेकिन आज पाकिस्तान 19 फीसदी, श्रीलंका 20 फीसदी और बांग्लादेश 26 फीसदी टैरिफ वाला देश है और भारत 50 फीसदी टैरिफ वाला देश। यह भी कैसी विडम्बना है कि ये तीनों देश चीन के करीबी माने जाते हैं। इनके यहां चीन का बड़ा निवेश है और इन देशों को चीन ने बड़ा कर्ज भी दे रखा है। फिर भी ये देश अमेरिका के ज्यादा करीबी हो गए और इनके पड़ोस का भारत बेगाना हो गया।

चक्र और चरखा की स्वदेशी महिमा से प्रेरणा की जरूरत

प्रमोद भार्गव

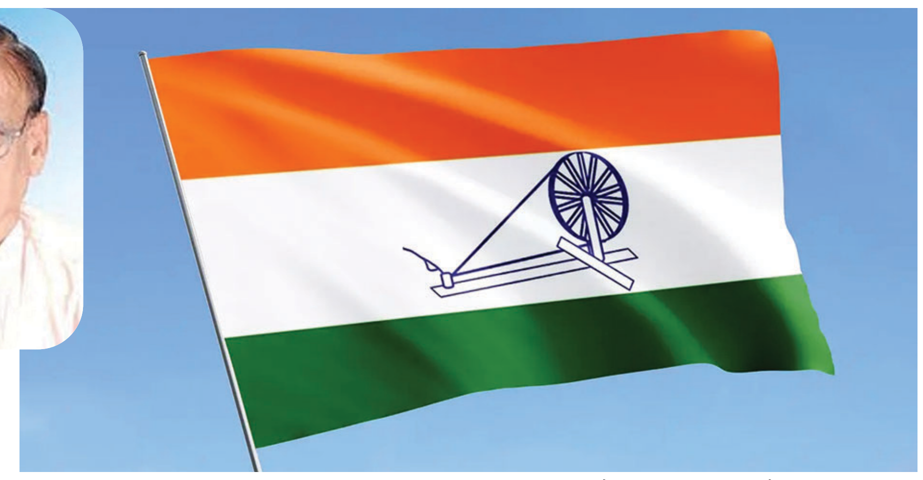

बदलती स्थितियों में परिवर्तन के मानदंड भी बदल देते हैं। वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेशी प्रेरणा से आत्मनिर्भरता की बात हमेशा ही करते रहे हैं, परंतु इस बार उन्होंने लाल किले की प्राचीर से भारत को मजबूत बनाने के लिए कहा कि 'हमें इस हेतु चक्रधारी मोहन अर्थात भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेनी चाहिए और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के नजरिए से चरखाधारी मोहन यानी महात्मा गांधी के मार्ग पर चलना चाहिए।' इन प्रतीकों के माध्यम से भारत की समृद्धि के रास्ते खुलते हैं। दुनिया में भू-राजनीतिक स्थितियां बदल रही हैं। ऐसे में भारत को अपने हितों को साधने के लिए नए मित्रों का साथ जरूरी है। हम देख रहे हैं कि अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान के परिप्रेक्ष्य में तेजी से नए समीकरण बनते-बिगड़ते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में कृष्ण के सुदर्शन चक्र से प्रेरणा लेने की जरूरत है। यह चक्र काल और जीवन दोनों की ही गतिशीलता का प्रतीक है।

यह नाम सत्य की रक्षा और असत्य के संहार का प्रतीक भारतीय परंपरा में रहा है। इसी चक्र की निरंतर गतिशीलता को देखते हुए वैदिक ऋषियों ने 'चरैवेति-चरैवेति' सिद्धांत स्थापित किया था। अंग्रेजों ने जब भारत में यांत्रिकीकरण लागू किया, तब गांधी ने इस समस्या से निपटने के लिए चरखा को स्वावलंबन के मंत्र का आधार बनाया।

गांधी ने कहा कि 'भारत के सभी नागरिक स्वदेशी उत्पादों पर भरोसा रखें, क्योंकि अगर आप भारतीय हैं तो भारत में बनी चीजें ही खरीदें। इन्हें ही उपहार में दें। दुकानदार स्वदेशी सामान ही बेचें। यदि हम ऐसा करते हैं तो इस एक कदम से भारतीय मजदूर और गरीब नागरिक को लाभ होगा।'

गांधीजी ने केंद्रीय उद्योग समूहों के विरुद्ध चरखे को बीच में रखकर लोगों के लिए यांत्रिक उत्पादन की जगह, उत्पादन लोगो द्वारा हो का आंदोलन चलाया था। जिससे एक बढ़ी आबादी वाले देश में बहुसंख्यक लोग रोजगार से जुड़ें और बढ़े उद्योगां का विस्तार सीमित रहे। इस दृष्टिकोण के पीछे महात्मा का उद्देश्य यांत्रिकीकरण से मानव मात्र को छुटकारा दिलाकर उसे सीधे स्वरोजगार से जोड़ना था। क्योंकि दूरदृष्टा गांधी की अंर्तदृष्टि ने तभी अनुमान लगा लिया था कि औद्योगिक उत्पादन और प्रौद्योगिकी विस्तार में सृष्टि के विनाश के कारण अंतर्निहित हैं। आज दुनिया के वैज्ञानिक अपने प्रयोगों से जल, थल और नभ को एक साथ दूषित कर रहे हैं।

गांधी गरीब की गरीबी से कटु यर्थाथ के रूप में परिचित थे। इस निवर्सन गरीबी से उनका साक्षात्कार ओड़ीसा के एक गांव में हुआ था। यहां एक बूढ़ी औरत ने गांधी से मुलाकात की थी। जिसके पैबंद लगे वस्त्र बेहद मैले-कुचेले थे। गांधी ने शायद साफ-सफाई के प्रति लापरवाही बरतना महिला की आदत समझी। इसलिए उसे हिदायत देते हुए बोले, 'अम्मां क्यों नहीं कपड़ों को धो लेती हो ?' बुढ़िया बेवाकी से बोली, 'बेटा जब बदलने को दूसरे कपड़े हों, तब न धो-पहनूं।' महात्मा आपादमस्तक सन्न व निरुत्तर रह गए। इस घटना से उनके अंर्तमन में गरीब की दिगंबर देह को वस्त्र से ढकने के उपाय के रूप में 'चरखा' का विचार कौंधा। साथ ही उन्होंने स्वयं एक वस्त्र पहनने व ओढ़ने का संकल्प लिया। देखते-देखते उन्होंने 'वस्त्र के स्वावलंबन' का एक पूरा आंदोलन ही खड़ा कर दिया। लोगों को तकली-चरखे से सूत कातने को उत्प्रेरित किया। सुखद परिणामों के चलते चरखा स्वनिर्मित वस्त्रों से देह ढकने का एक कारगर अस्त्र ही बन गया।

पिछले तीन दशक के भीतर उद्योगों की स्थापना के सिलसिले में हमारी जो नीतियां सामने आयी हैं उनमें अकुशल मानव श्रम की उपेक्षा उसी तर्ज पर है, जिस तर्ज पर अठारहवीं सदी में अंग्रेजों ने ब्रिटेन में मशीनों से निर्मित कपड़ों को बेचने के लिए ढाका (बांगलादेश) के मलमल बुनकरों के हस्त उद्योग को हुकूमत के बूते नेस्तनाबूद ही नहीं किया था, उनके अंगूठे भी काट दिए थे। उन्हें भूखों मरने के लिए भगवान भरोसे छोड़ दिया था। आज पूंजीवादी अभियानों और कथित डिजीटल विस्तार के लिए व्यापार से मानवश्रम को लगातार बेदखल किया जा रहा है। जबकि होना यह चाहिए था कि हम अपने देश के समग्र कुशल-अकुशल मानव समुदायों के हित साधन के दृष्टिकोण सामने लाते ? गांधी की सोच वाली आर्थिक प्रक्रिया की स्थापना और विस्तार में न मनुष्य के हितों पर कुठाराघात होता है और न ही प्राकृतिक संपदा के दोहन पर टिकी अर्थव्यवस्था का ? जबकि मौजूदा आर्थिक हितों के सरोकार केवल पूंजीवादियों के हित साधते हैं और इसके विपरीत मानवश्रम से जुड़े हितों को तिरष्कृत करते हैं। मानव समुदायों के बीच असमानता की खाई ऐसे ही उपायों से उत्तरोतर बढ़ती चली जा रही है।

चरखा और खादी परस्पर एक दूसरे के पर्याय हैं। गांधी की शिष्या निर्मला देशपाण्डे ने अपने एक संस्मरण का उद्घाटन करते हुए कहा था, नेहरू ने पहली पंचवर्षीय योजना का स्वरूप तैयार करने से पहले आचार्य विनोबा भावे को मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया था। राजघाट पर योजना आयोग के सदस्यों के साथ हुई बातचीत के दौरान आचार्य ने कहा था, 'ऐसी योजनाएं बननी चाहिएं, जिनसे हर भारतीय को रोटी और रोजगार मिले। क्योंकि गरीब इंतजार नहीं कर सकता। उसे अविलंब काम और रोटी चाहिए। आप गरीब को काम नहीं दे सकते, लेकिन मेरा चरखा ऐसा कर सकता है।' वाकई यदि पहली पंचवर्षीय योजना को अमल में लाने के प्रावधानों में चरखा और खादी को रखा जाता तो मौसम की मार और कर्ज का संकट झेल रहा किसान आत्महत्या करने को विवश नहीं होता ?

दरअसल आर्थिक उन्नति का अर्थ हम प्रकृति के दोहन से मालामाल हुए अरबपतियों-खरबपतियों की फोर्ब्स पत्रिका में छप रही सूचियों से निकालने लगे हैं। आर्थिक उन्नति का यह पैमाना पूंजीवादी मानसिकता की उपज है, जिसका सीधा संबंध भोगवादी लोग और उपभोगवादी संस्कृति से जुड़ा है। जबकि हमारे परंपरावादी आदर्श किसी भी प्रकार के भोग में अतिवादिता को अस्वीकार तो करते ही हैं, भोग की दुष्परिणति पतन में भी देखते हैं। अनेक प्राचीन संस्कृतियां जब उच्चता के चरम पर पहुंचकर विलासिता में लिप्त हो गईं तो उनके पतन का सिलसिला शुरू हो गया। रक्ष, मिश्र, रोमन, नंद और मुगल संस्कृतियों का यही हश्र हुआ। कृष्ण के सगे-संबंधी जब दुराचार और भोग-विलास में संलग्न हो गए तो स्वयं कृष्ण ने उनका अंत किया। इतिहास दृष्टि से सबक लेते हुए गांधी ने कहा था, 'किसी भी सुव्यवस्थित समाज में रोजी कमाना सबसे सुगम बात होनी चाहिए और हुआ करती है। बेशक किसी देश की अच्छी अर्थव्यवस्था की पहचान यह नहीं है कि उसमें कितने लखपति लोग रहते हैं, बल्कि जनसाधारण का कोई भी व्यक्ति भूखों तो नहीं मर रहा है, यह होनी चाहिए।'

गांधी के स्वरोजगार और स्वावलंबन के चिंतन और समाधन की जो धाराएं चरखे की गतिशीलता से फूटती थीं, उस गांधी के अनुआयी वैश्विक बाजार में समस्त बेरोजगारों के रोजगार का हल ढूढ़ रहे हैं। यह मृग-मारीचिका नहीं तो और क्या है ? अब तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के चलते रोजगार और औद्योगिक उत्पादन दोनों के ही घटने के आंकड़े सामने आने लगे हैं। रुपए का डॉलर की तुलना में निरंतर अवमूल्यन हो रहा है। इन नतीजों से साफहो गया है कि भू-मण्डलीकरण ने रोजगार के अवसर बढ़ाने की बजाय घटाए हैं। ऐसे में चरखे से खादी का निर्माण एक बढ़ी आबादी को रोजगार से जोड़ने का काम कर सकता है। भारत की विशाल आबादी पूंजीवादी मुक्त अर्थव्यवस्था से समृद्धशाली नहीं हो सकती ? अलबत्ता वैश्विक आर्थिकी से मुक्ति दिलाकर, विकास को समतामूलक कारकों से जोड़कर इसे सुखी और संपन्न बनाया जा सकता है। इस दृष्टि से चरखा और खादी सार्थक औजार के रूप में ग्रामीण परिवेश में ग्रामीणों के लिए एक नया अर्थशास्त्र रच सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को कैसे हैंडल करें

हरिशंकर व्यास

ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया में इस समय सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे हैंडल करें। सब अपने अपने तरीके बता रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों उनके बहुत गहरे दोस्त हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि वे मोदी को बताएंगे कि ट्रंप को कैसे हैंडल करें।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह बात मीडिया के जरिए नहीं, बल्कि निजी बातचीत में बताएंगे कि कैसे ट्रंप को हैंडल करें। सोचें, एक राष्ट्र का प्रधानमंत्री दूसरे देश के प्रधानमंत्री को बताएगा कि एक तीसरे देश के राष्ट्रपति को कैसे हैंडल किया जाएगा। पहले कभी इस किस्म की बात सुनने को नहीं मिली।

इसी तरह जिस समय नेतन्याहू ने यह बात कही लगभग उसी समय ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया था। लूला और प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत का मुद्दा यह था कि राष्ट्रपति ट्रंप को कैसे हैंडल करें। ध्यान रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले कहा था कि लूला डी सिल्वा जब कहें तब वे उनसे बात करने को तैयार हैं। लेकिन लूला ने कहा कि वे ट्रंप से नहीं मोदी से बात करें। माना जा रहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री दोनों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से निपटने या उनको हैंडल करने के बारे में बात की। दोनों की एक रणनीति दिख रही है कि अभी ट्रंप के दबाव के आगे नहीं झुकना है और अभी चुप रहना है। हो सकता है कि ट्रंप को हैंडल करने की यह रणनीति उससे अलग हो जो नेतन्याहू ने मोदी को बताने का वादा किया है।

बहरहाल, इस महीने के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के दौरे पर जा सकते हैं, जहां शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक से इतर उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग से दोपक्षीय वार्ता हो सकती है। एससीओ सम्मेलन के दौरान चीन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मोदी को मिलेंगे। बाद में पुतिन भारत के दौरे पर भी आने वाले हैं। माना जा रहा है कि चीन में राष्ट्रपति शी जिनफिंग, राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी इस बात पर विचार करेंगे कि ट्रंप को कैसे हैंडल किया जाए। वैसे जिनफिंग और पुतिन ने अपने हिसाब से हैंडल किया हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप चीन पर टैरिफ नहीं बढ़ा रहे हैं, जबकि वह रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा है। लेकिन उससे कम तेल खरीदने वाले भारत पर उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। हो सकता है कि जिनफिंग समझाएं मोदी को कि उन्होंने कैसे यह किया है। वैसे यह सिर्फ भारत, चीन, रूस या ब्राजील का मामला नहीं है। यूरोपीय संघ के नेता भी इस फिक्र में हैं कि ट्रंप को कैसे हैंडल करें तो जापान और दक्षिण कोरिया के नेता भी परेशान हैं। मेक्सिको और कनाडा वाले तो पहले से ही परेशान हैं।

लोकसभा में पेश तीन विधेयकों पर पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस

आज संसद के मॉनसून सत्र के दौरान लोकसभा में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए तीन महत्वपूर्ण विधेयकों ने सियासी हलचल मचा दी। इन विधेयकों में केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक 2025, और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल हैं। इनका उद्देश्य गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी या 30 दिनों तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और अन्य मंत्रियों को पद से हटाने का कानूनी ढांचा तैयार करना है। हालांकि, इन विधेयकों को लेकर विपक्ष ने तीखा विरोध जताया, जिसके चलते सदन में जोरदार हंगामा हुआ।

इन विधेयकों का मुख्य उद्देश्य शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। मौजूदा कानूनों में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जिसके तहत गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तार नेताओं को उनके पद से हटाया जा सके। नए प्रावधानों के तहत, यदि कोई जनप्रतिनिधि पांच साल या उससे अधिक की सजा वाले अपराध में 30 दिनों तक हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन उसे स्वत: पदमुक्त कर दिया जाएगा। यह नियम प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रियों पर लागू होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजने का प्रस्ताव भी पेश किया, ताकि इन पर विस्तृत चर्चा हो सके। सरकार का कहना है कि ये विधेयक भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ उसकी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को मजबूत करेंगे। इन विधेयकों को लेकर विपक्ष ने कड़ा रुख अपनाया। कांग्रेस, टीएमसी, सपा, और एआईएमआईएम जैसे दलों ने इसे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए तीखी आलोचना की। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 के खिलाफनोटिस देकर इसका विरोध दर्ज किया। एक विपक्षी सांसद ने तो यह धमकी भी दी कि जब अमित शाह विधेयक पेश करेंगे, तो वे सदन में विपक्ष का तर्क है कि ये विधेयक राजनीतिक प्रतिशोध के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, यह सरकार विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए कानून का दुरुपयोग कर सकती है। उन्होंने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने बंगाली भाषा विवाद और प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा।

विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार बिना पर्याप्त चर्चा के विधेयकों को जल्दबाजी में पास कर रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने हाल ही में आयकर विधेयक 2025 को बिना चर्चा के मिनटों में पास करने की घटना का हवाला देते हुए इसे संसद की हत्या करार दिया। केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ये विधेयक राजनीति को स्वच्छ और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक कदम हैं। अमित शाह ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां गंभीर आपराधिक आरोपों में जेल में रहने वाले नेता अपने पद पर बने रहे। यह लोकतंत्र और न्याय की भावना के खिलाफ है। उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी जैसे मामलों का हवाला दिया, जहां नेताओं ने जेल में रहते हुए भी अपने पद नहीं छोड़े।सरकार का कहना है कि ये विधेयक मौजूदा कानूनी खामियों को दूर करेंगे और जनता का भरोसा शासन पर बढ़ाएंगे। भाजपा सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा, यह कदम नरेंद्र मोदी सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संसद के मॉनसून सत्र में पहले भी कई विधेयकों, जैसे आयकर विधेयक 2025, वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025, और बिल्स ऑफ लैडिंग 2025 को लेकर विवाद हो चुका है। बहरहाल, ये तीन विधेयक न केवल कानूनी सुधारों का हिस्सा हैं, बल्कि सियासी दांवपेच का भी अहम हिस्सा बन गए हैं। जहां सरकार इन्हें भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई का हिस्सा बता रही है, वहीं विपक्ष इसे लोकतंत्र पर हमला करार दे रहा है। आने वाले दिनों में इन विधेयकों पर जेपीसी की चर्चा और संसद की कार्यवाही पर सबकी नजर रहेगी। क्या ये विधेयक राजनीति को स्वच्छ बनाने में सफल होंगे, या फिर सियासी विवाद का नया केंद्र बनेंगे, यह समय ही बताएगा।

समाजवादी पार्टी में काफी पुराना है महिला अपमान का सिलसिला

अजय कुमार, लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा), जिसकी स्थापना मुलायम सिंह यादव ने की थी, उत्तर प्रदेश की राजनीति में नेताजी मुलायम सिंह यादव की तूती बोलती थी। लेकिन समय-समय पर इस पार्टी पर महिलाओं का सम्मान न करने और महिलाओं के खिलाफअपराधों को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हैं। यह सिलसिला मुलायम सिंह से लेकर अखिलेश यादव तक जारी है। महिलाओं का अपमान करने के तमाम आरोप न केवल पार्टी नेताओं के बयानों से उपजे हैं, बल्कि उनके कार्यों और नीतियों से भी जुड़े हैं। विपक्षी दल, खासकर भाजपा इन मुद्दों को उठाकर एसपी को महिला विरोधी करार देती रही है। समाजवादी पार्टी पर महिलाओं के अपमान के तमाम ऐसे आरोप लगे, जो समय-समय पर पार्टी की छवि को धूमिल करते रहे।

सबसे चर्चित उदाहरण 2014 का है, जब मुलायम सिंह यादव ने मोरादाबाद में एक रैली के दौरान बलात्कार के दोषियों को फांसी की सजा पर सवाल उठाते हुए कहा था, लड़के हैं, गलती हो जाती है। इस बयान ने पूरे देश में हंगामा मचा दिया। मीडिया और महिला अधिकार संगठनों ने इसे महिलाओं के प्रति असंवेदनशील बताया, क्योंकि यह बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को गलती मानकर हल्का कर रहा था। मुलायम के इस बयान की वजह से सपा पर आरोप लगा कि पार्टी महिलाओं की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लेती। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी इसे प्रो-रेपिस्ट रुख बताया, जिससे पार्टी की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा।

महिलाओं के अपमान को लेकर सपा के एक और प्रमुख नेता आजम खान भी विवादों में घिरे रहे हैं। 2019 में रामपुर लोकसभा चुनाव के दौरान, आजम ने भाजपा उम्मीदवार जया प्रदा पर अभद्र टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने खाकी अंडरवियर का जिक्र किया। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इसे अत्यंत अपमानजनक बताते हुए नोटिस जारी किया। इससे पहले, संसद में भाजपा सांसद रमा देवी पर भी आजम ने सेक्सिस्ट कमेंट किया, जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी पड़ी। इन बयानों ने एसपी पर आरोप लगाया कि पार्टी के नेता महिलाओं को सम्मान नहीं देते और चुनावी फायदे के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

2017 के विधानसभा चुनावों में सपा पर और बड़ा आरोप लगा जब कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रजापति पर बलात्कार का केस दर्ज हुआ। एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी ने प्रजापति पर गैंगरेप का आरोप लगाया। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद एफआईआर दर्ज हुई, लेकिन एसपी पर आरोप था कि पार्टी ने आरोपी को संरक्षण दिया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एसपी को बलात्कारियों का संरक्षक कहा, और महिलाओं की असुरक्षा का मुद्दा चुनावी बहस का केंद्र बना। हाल के वर्षों में भी ऐसे आरोप जारी हैं। 2024 में अयोध्या बलात्कार कांड में एसपी नेता मोइन खान पर 12 साल की बच्ची से बलात्कार का आरोप लगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसपी को महिलाओं की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया, और पुराने बयानों का जिक्र किया। भाजपा ने आरोप लगाया कि एसपी अपराधियों को बचाती है, जबकि एसपी ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया। ये घटनाएं सपा की छवि को काफी प्रभावित करती रही हैं। परिणाम यह हुआ कि पार्टी ने जब महिलाओं के लिए योजनाएं चलाईं, जैसे स्त्री सम्मान समृद्धि योजना, लेकिन आरोपों ने उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। जब महिलाओं का सम्मान राजनीति का मूल होना चाहिए, तब ऐसे विवादों से समाज में असमानता बढ़ती है। सपा को इन आरोपों से सीख लेकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी, वरना राजनीतिक नुकसान जारी रहेगा।

बात आज के माहौल की कि जाये तो 2027 में जबकि सपा उत्तर प्रदेश की गद्दी पर काबिज होने का सपना देख रहे हैं तब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की लगातार बनती महिला विरोधी छवि ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को सोचने को मजबूर कर दिया है कि वह महिला स्वाभिमान के प्रति ज्यादा लचीला रूख अख्तियार करें। वर्ना 2027 के विधान सभा चुनाव में उनको महिला वोटरों से बड़ा झटका मिल सकता है। मुस्लिम वोट बैंक के चक्कर में जिस तरह से अखिलेश अपनी ही पार्टी की महिला नेताओं का न केवल अपमान बर्दास्त करते जा रहे हैं बल्कि विधायक पूजा पाल को पार्टी से निकाल कर आखिलेश ने यह भी साबित कर दिया है कि उनको यह भी अच्छा नहीं लगता है कि उनकी विधायक पूजा पाल जिसके विधायक पति राजू पाल की माफिया अतीक अहमद ने हत्या करा दी थी,वह अतीक के खिलाफ मुंह खोलें। उनको जिस महिला का सुहाग उजाड़ दिया गया उसका दर्द समझने की बजाये इस बात की चिंता हो रही है कि अतीक के खिलाफ पूजा पाल के विधान सभा के अंदर दिये गये बयान से मुस्लिम वोटर नाराज नहीं हो जायें,इस लिये बिना किसी कारण बताओ नोटिस दिये पूजा को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इससे पूर्व अखिलेश ने अपनी सांसद पत्नी डिंपल यादव के अपमान पर भी अपना मुंह उस समय बंद रखा था जब डिंपल को एक मौलाना रशीदी ने नंगी कहकर संबोधित किया था।

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की चायल सीट से विधायक पूजा पाल का मुद्दा तब गरमाया जब सपा ने विधायक पूजा पाल को सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफकरने के चलते उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया है. इस एक्शन को सपा नेता सही बता रहे हैं, तो बीजेपी ने अखिलेश को घेरना शुरू कर दिया है. बीजेपी इस प्रकरण को महिला-सुरक्षा और न्याय हुआ के रूप में पेश कर रही है.कुल मिलाकर पूजा पाल के रूप में बीजेपी को एक नया ब्रांड एंबेसडर और सपा के पीडीए का काउंटर प्लान मिल गया है.राजू पाल की हत्या के बाद सहानुभूति की जो लहर पूजा पाल के साथ बसपा से सपा की ओर शिफ्ट हुई थी, अब उसका सियासी लाभ बीजेपी भी उठाने की तैयारी में है. बीजेपी, सपा को ओबीसी विरोधी बताने में जुटी है. बीजेपी की रणनीति पूजा पाल के बहाने अखिलेश के सबसे बड़े विनिंग फॉर्मूले पीडीए की हवा निकालने की है. यूपी में पाल-बघेल जाति की पिछड़ों में अच्छी-खासी संख्या है, जो सपा के पीडीए की सियासी रीढ़ मानी जाती है. इस तरह बीजेपी अखिलेश यादव को पाल समाज का विरोधी बताने की कवायद करने में जुटी है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला, चंगोरी में बॉउंड्रीवाल एवं मंच का हस्तांतरण

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला, चंगोरी में नव-निर्मित बॉउंड्रीवाल एवं कलामंच का विधिवत हस्तांतरण 20 अगस्त 2025 को आयोजित समारोह में किया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक ए. बी. श्रीनिवास रहे। मुख्य अतिथि ए. बी. श्रीनिवास ने अपने उद्बोधन में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) टीम को बधाई दी व कहा की ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र सदैव आपकी मदद करता रहा है एवं आगे भी करेगा। इस अवसर पर महाप्रबंधक शिवराजन, शाला के प्रधानाचार्य पवन गायकवाड़, ग्राम सरपंच हीरामन देशमुख, शिक्षक श्री विजय बेलचंदन, आरईएस प्रतिनिधि रामटेके, उप महाप्रबंधक आर. के. गर्ग, उप महाप्रबंधक अपर्णा चंद्रा, उप प्रबंधक के. के. वर्मा, अनुभाग अधिकारी के. वी. विजयलक्ष्मी एवं कार्यालय सहायक बुधेलाल सहित सीएसआर विभाग के अधिकारी, विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में अंडर-14 एवं अंडर-19 क्रिकेट टीम हेतु पंजीयन प्रारंभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आगामी क्रिकेट सत्र 2026-27 के लिए अंडर-14 एवं अंडर-19 क्रिकेट टीमों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इन टीमों को छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। पंजीयन की प्रक्रिया 22 एवं 23 अगस्त 2025 को बी.एस.पी. क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित होगी। इसमें संयंत्र के कर्मचारियों के वार्ड के साथ-साथ भिलाई परिधीय क्षेत्र के इच्छुक खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे। अंडर-14 आयु वर्ग के लिए जन्म तिथि 01 सितम्बर 2011 से 31 अगस्त 2013 के बीच और अंडर-19 आयु वर्ग के लिए 01 सितम्बर 2007 से निर्धारित सीमा तक जन्म लेने वाले खिलाड़ी पात्र होंगे। पंजीयन के समय प्रतिभागियों को पिछले छह वर्षों की अंकसूची, डिजिटल या मैनुअल जन्म प्रमाण पत्र, फोटो सहित पीवीसी आधार कार्ड तथा दो पासपोर्ट आकार के फोटो प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। केवल वही खिलाड़ी चयन प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र होंगे जिन्होंने निर्धारित तिथियों पर पंजीयन की प्रक्रिया पूर्ण की होगी।

भिलाई शहर में चल रहे कार्यो के बेहतर व्यवस्था हेतु समीक्षा बैठक

सेमरिया में होगा वृहद पौधरोपण, आयुक्त राजीव पाण्डेय ने अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिसमें वृक्षारोपण, ई-आफिस प्रणाली, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की प्रगति, सिटी डेवलपमेंट प्लान, आगामी माह से रजत जयंती महोत्सव, मौसमी बिमारियों के नियंत्रण, जलकर वसुली, प्लास्टिक मुक्त अभियान, नशे के खिलाफमुहिम, अतिक्रमण एवं कलेक्टर टी.एल. सहित जनदर्शन जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

निगम आयुक्त द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत सेमरिया स्थित निगम स्वामित्व के जमीन में सागौन, महोगनी जैसे कीमती पौधों का वृहद रोपण कराये जाने के संबंध में चर्चा की गयी। जिससे जमीन को सुरक्षित करते हुये हरियाली को बढ़ाने के साथ निगम के राजस्व में वृद्धि की जा सके। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण को विशेष प्राथमिकता देते हुए कार्य करना है। इसके लिए मकान मालिको एवं दुकान संचालकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए प्रेरित करना है। चयनित एजेंसियों से प्रति दिवस की प्रगति चाही गई है।

जोन 1, जोन 2 एवं भवन अनुज्ञा शाखा में किये गये निविदा अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किये हैं । सिटी डेवलपमेंट प्लांन में शामिल कार्यो को वेब साईट में अपलोड कर जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिको से सूझाव एवं दावा अपत्ति मंगायी गयी है। रजत जयंती छत्तीसगढ़ के 25

वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है जो आगामी माह से किया जाना है। मौसमी बिमारियों के रोकथाम हेतु घर-घर एवं गली मोहल्लो में विशेष साफ-सफाई, दवाई छिड़काव अभियान चलाया जाना है।

निगम आयुक्त के अनुसार निगम भिलाई से जो हितग्राही/परिवार नल कनेक्शन लिए है, उनको जलकर जमा करना अनिवार्य है। जलकर की वसूली में कमी को देखते हुये एजेंसी नियुक्ति के संबंध में चर्चा की गयी संबंधित कार्य हेतु जलकर विभाग से निविदा किया जाना है। जलकर जमा नहीं करने वालो पर कार्यवाही किया जाना है। शहर में 50 माईक्रोन से नीचे पालीथीन ब्रिकी/इस्तेमाल करने वालो के खिलाफ कार्यवाही किया जाना है। प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने निरंतर अभियान चलाया जाना है। निगम क्षेत्र में 12548 लीज होल्डर्स है, जिसका जोनवार सूचीबद्ध कर मानिटरिंग करना है। राजस्व की जमीन के साथ नजूल की जमीन को सुरक्षित करना है, जोनवार सूचीबद्ध रहेगा, जिससे शासकीय कार्य में जमीन का सदुपयोग हो जाए। तालाबों का सीमांकन को प्रथामिकता से किया जाये, जिससे अवैध कब्जा या अतिक्रमण हटाया जा सके। निगम में संचालित वाहनो का किराया निर्धारण की प्रक्रिया को तत्काल किया जाना है, जिससे राजस्व की प्राप्ति हो। इलेवेटर, जे.सी.बी, जैसे वाहनों की प्रति घण्टा या प्रति दिवस लागत की गणना कर किराया निर्धारित किया जाएगा। जिससे वाहनों को निजी या एजेंसी को किराये में दिया जा सके।

नशे के खिलाफमुहिम अंतर्गत अंधेरे स्थलों को प्रकाशित करना है, जिससे असमाजिक तत्व एवं गलत लत में लिप्त लोगो को नियंत्रित किया जा सके साथ ही चिन्हांकित स्थलो का पुलिस टीम के साथ निरीक्षण किया जाना है। रोड, नाली के किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने एवं कंडम वाहन रख सड़क बाधिक करने वालो पर कार्यवाही करना है। शासन द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। जिसके लिए 70 वर्ष से उपर के वरिष्ठ नागरिको को लाभ दिलाने आयुष्मान कार्ड बनाना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों का निर्माण अविलंब पूरा करना है, जिससे हितग्राहियो को समय पर आवास का लाभ दिया जा सके।

कलेक्टर टी.एल, जनदर्शन, जन शिकायत, पी.एम.ओ शिकायत, निदान 1100 जैसे शिकायतों के निराकरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गयी। सभी विभाग प्रमुखो को समयसीमा पर प्राप्त शिकायत एवं मांग का निराकरण करने का निर्देशित किया गया है। निगम आयुक्त का मनसा जनहितैषी कार्यो को प्राथमिकता देना है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य अभियंता भागीरथी वर्मा, अपर आयुक्त राजेंद्र दोहरे, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे एवं जोन आयुक्त सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने डस्टबिन किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 04 शिवाजी नगर खुर्सीपार स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं में स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता लाने एवं स्वच्छता में सहयोग देने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। जिसमें महापौर परिषद् सदस्य नेहा साहू, पार्षद उषा शर्मा एवं प्रदीप सेन उपस्थित रहे।

नगर निगम भिलाई द्वारा शहर के सभी स्कूलों हेतु आई.डी.बी.आई बैंक के सी.एस.आर मद से डस्टबिन वितरण किया गया। डस्टबिन वितरण के दौरान आई.डी.बी.आई बैंक के मैनेजर एवं स्टॉफ उपस्थित रहे। निगम आयुक्त द्वारा बच्चों एवं शिक्षिकाओं को स्कूल परिसर, घरो एवं आस-पास क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने हेतु अपील किया गया। नगर निगम भिलाई का आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में नंबर 01 आने हेतु सभी को प्रयास करने की जरूरत बताया।

सभी छात्र-छात्राओं से सफाई से संबंधित सवाल-जवाब भी किया गया। गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग डिब्बे में डालने के संबंध में बताया गया। स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने भी बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किये।

इस दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के.सिंह, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, अनिल मिश्रा, बीरेन्द्र बंजारे, सागर दुबे, पीआईयू अभिनव ठोकने उपस्थित रहे।

पालना सहायिका पद हेतु 02 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग (शहरी) के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-16 सिकोला बस्ती के पालना केन्द्र में सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। पालना सहायिका के लिए आवेदन 02 सितम्बर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग (शहरी) (पता- पांच बिल्डिंग, बाल संरक्षण गृह परिसर, महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग) में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे।

परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/ सहायिका/ सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)।

क्रेडा अध्यक्ष सवन्नी द्वारा ऊर्जा शिक्षा उद्यान का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी ने विगत दिवस पाटन विकासखंड अंतर्गत ऊर्जा शिक्षा उद्यान पंदर-देमार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क में चल रहे विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सवन्नी ने निर्माणाधीन फूड जोन (कैंटीन/कैफेटेरिया) को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही पार्क के कोई पाउंड क्षेत्र में

आकर्षक वॉटरफॉल निर्माण, कबड्डी एवं रेसलिंग एरिया के कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु भी अधिकारियों को कहा। पार्क परिसर में शेष विद्युतिकरण कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण कराने तथा सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकता अनुसार सुरक्षा प्रहरियों की नियुक्ति के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी के साथ जिले के अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों में प्रमुख रूप से जितेन्द्र वर्मा, दिलीप साहू, रानी बंधोर, योगेश भाले, अखिलेश मिश्रा, राजेश चंद्राकर, राजा पाठक, कमलेश चंद्राकर, निशा सोनी, संतोष वर्मा, क्रेडा प्रधान कार्यालय से कार्यपालन अभियंता एच.एच. सिदार, दुर्ग संभाग के जोनल अधिकारी भानु प्रताप, दुर्ग जिला प्रभारी श्रीमती तारिका दामले, पार्क प्रभारी सोनल कुमार सोनी सहित जिला कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व मच्छर दिवस पर जागरूकता रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व मच्छर दिवस 2025 के अवसर पर 20 अगस्त 2025 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग व जिला मलेरिया समिति, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में, जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में एक वृहद जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मच्छरों से होने वाली बीमारियों एवं उनके बचाव के उपायों के प्रति जनमानस को जागरूक किया गया व आवश्यक जानकारी साझा की गयी।

इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी ने कहा कि मच्छरों से फैलने वाले रोगों की रोकथाम में

सामूहिक जन-जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक, के.के. यादव ने भी उपस्थित दल के सदस्यों को सर्वेक्षण कार्य को और अधिक कारगर बनाने संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास पानी जमा न होने दें तथा सप्ताह में एक दिन सुखा दिवस के रूप में मनाकर मच्छरों के प्रजनन को रोकने में योगदान दें। इसी उद्देश्य से सेक्टर-8 स्थित जन स्वास्थ्य विभाग कार्यालय में ब्रिडिंग चेकर्स दल को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सर्वेक्षण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश और व्यवहारिक टिप्स दिए गए।

यह उल्लेखनीय है कि भिलाई में मच्छर जनित रोगों और मच्छरों की वृद्धि के लिए काफी हरियाली और संभावना है। हरियाली के कारण मच्छरों के विनाश के लिए सघन प्रयास करना होता है। इसी कारण संयंत्र प्रबंधन द्वारा जिला मलेरिया विभाग के सहयोग से जून माह के अंतिम सप्ताह से वृहद सर्वेक्षण अभियान प्रारंभ किया गया है।

गजेन्द्र यादव के केबिनेट मंत्री बनने पर दुर्ग से अहिवारा तक कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के बहुप्रतिक्षित केबिनेट का बुधवार को अंतत: विस्तार हो गया। मंत्रीमंडल में शामिल तीन नए मंत्री दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब और अंबिकापुर के विधायक राजेश अग्रवाल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें राजभवन रायपुर के मंडपम् हॉल में राज्यपाल रामेन डेका द्वारा शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडेय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव, केबिनेट मंत्रीगण, विधायकगण, आयोग,मंडल अध्यक्षगण के अलावा भाजपा संगठन के तमाम दिग्गज नेता शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बने।

साय मंत्रीमंडल के विस्तार के परिप्रेक्ष्य में अगर हम दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र की बात करें, तो बुधवार का दिन दुर्ग शहर के लिए ऐतिहासिक रहा। यहां के युवा विधायक गजेन्द्र यादव को केबिनेट मंत्री बनाकर प्रदेश में दुर्ग शहर को खासा महत्व दिया गया है। विधायक गजेन्द्र यादव द्वारा राजभवन के मंडपम हाल में केबिनेट मंत्री पद की बेबाकी से शपथ ग्रहण कर दुर्ग समेत पूरे छत्तीसगढ़ के विकास एवं प्रगति में अहम भूमिका का निर्वहन करने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी गई है। विधायक गजेन्द्र यादव को मंत्रीमंडल में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग का मंत्री बनाया गया है।

शपथ ग्रहण उपरांत केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने मीडिया से चर्चा में नए दायित्व के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वे छत्तीसगढ़ के विकास और प्रगति के लिए कार्य करेंगे। दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव के केबिनेट मंत्री बनने पर दुर्ग शहर में खुशियों का माहौल व्याप्त रहा। श्री यादव के शपथ ग्रहण के पहले सुबह और शपथ ग्रहण उपरांत पूरे दिनभर उनके समर्थकों द्वारा दुर्ग शहर में जगह-जगह मिठाईयां बांटकर और जमकर आतिशबाजी कर मंत्री बनने की खुशियां मनाई गई। श्री यादव के गृहग्राम अहिवारा में भी जमकर खुशियां बिखरी। ग्रामीणों द्वारा उनके घर के अलावा आसपास के क्षेत्रों को गुब्बारे से विशेष साज-सज्जा की गई थी। घर पर जुटे उत्साहित ग्रामीणों ने मिठाईयां बांटकर व फ्टाके फोड़कर खुशियां मनाई। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं व जनता के अलावा श्री यादव के गृहग्राम अहिवारा के ग्रामीणों को उम्मीद थी कि शपथ ग्रहण उपरांत केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव यहां आएंगे, लेकिन उन्हें शपथ ग्रहण उपरांत भाजपा हाईकमान के बुलावे पर दिल्ली रवाना होना पड़ा। जिससे केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के स्वागत अभिनंदन के लिए प्रतीक्षारत् समर्थकों व जनता में खुशियों के बीच थोड़ी मायूसी भी नजर आई। दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव के केबिनेट मंत्री बनने पर जिला भाजपा द्वारा जश्न मनाने आयोजन की तैयारी थी, किन्तु इस आयोजन को दुर्ग जिला में भाजपा को स्थापित करने वाले नेता गुरुजी बिसे यादव के निधन के चलते स्थगित कर दिया गया। केबिनेट मंत्री बनने पर गजेन्द्र यादव को भाजपा नेताओं,कार्यकर्ताओं व उनके समर्थकों ने भी रायपुर पहुंचकर बधाई दी, वहीं श्री यादव को दूरभाष पर भी लगातार समर्थकों के बधाई मिलते रहे। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, कैट अध्यक्ष प्रकाश सांखला, चेम्बर प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक राठी, चेम्बर दुर्ग अध्यक्ष अनूप गटागट, प्रदेश राईस मिल एसो. अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, सभापति श्याम शर्मा, संतोष सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता 29 से 31 अगस्त तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ द्वारा 29 से 31 अगस्त तक भोला प्रसाद तिवारी स्मृति प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2025 का आयोजन सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल, बुढ़ापारा, रायपुरमें किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता के सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सचिव श्री सार्थक शुक्ला ने जानकारी दी कि 29/08/2025 को यूथ अंडर-19 (यूथ) एवं यूथ अंडर-15 (सब जुनियर) एकल वर्ग (बालक/बालिका), 30/08/2025 को सीनियर (पुरुष/महिला) एवं यूथ अंडर-11 (होप्स) एकल वर्ग (बालक/बालिका) तथा दिनांक 31/08/2025 को यूथ अंडर-17 (जुनियर), यूथ अंडर-13 (कैडेट) एकल वर्ग (बालक/बालिका) एवं सीनियर (पुरुष) एकल वर्ग की प्रतियोगिता होगी।

प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों से कुल मिलाकर लगभग 250 पुरुष एवं महिला खिलाडियों के भाग लेने की संभावना है। यह प्रतियोगिता एकल इवेंट्स में सीनियर पुरुष एकल, सीनियर महिला एकल, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालक एकल, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालिका एकल, यूथ अंडर-17 (जुनियर) बालक एकल, यूथ अंडर-17 (जुनियर) बालिका एकल, यूथ अंडर-15 (सब जुनियर) बालक एकल, यूथ अंडर-15 (सब जुनियर) बालिका एकल, यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालक एकल, यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालिका एकल, यूथ अंडर-11 (होप्स) बालक एकल तथा यूथ अंडर-11 (होप्स) बालिका एकल हेतु कुल मिलाकर 12 वर्गों में आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के पंजीकृत खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे तथा प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टि कि अंतिम तिथि 23.08.2025 है। उपरोक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रतियोगिता के आयोजन सचिव श्री विनय बैसवाड़े ने दी।

रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ाने की अच्छी पहल

CHHATTISGARH REAL ESTATE REGULATORY AUTHORITY
CG RERA
RAIPUR

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (सीजी-रेरा) ने रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए वॉलन्टरी कॉम्प्लायंस स्कीम लागू की है। यह योजना सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2024 तक पंजीकृत सभी प्रोजेक्ट्स को लंबित तिमाही प्रगति रिपोर्ट और वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट एक साथ जमा करने की सुविधा प्रदान की गई है। लंबित रिपोर्ट जमा करने पर विलंब शुल्क में 70 प्रतिशत तक छूट मिलेगी, वहीं जिन प्रोजेक्ट्स के पास मान्य कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र है, उन्हें 90 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी।

सीजी-रेरा ने स्पष्ट किया है कि इस योजना का उद्देश्य प्रमोटरों को नियमों के पालन के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता और उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत हो सके। प्राधिकरण ने सभी प्रमोटरों से अपील की है कि वे योजना अवधि में अनुपालन सुनिश्चित करें और निर्धारित समयसीमा में अपनी रिपोर्ट्स प्रस्तुत करें। विस्तृत जानकारी सीजी-रेरा की आधिकारिक वेबसाइट https://rera.cgstate.gov.in/ तथा परिपत्र संख्या 115, 116 और 119 में उपलब्ध है। यह योजना रियल एस्टेट सेक्टर में अनुपालन संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को किया याद

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा परिसर स्थित सेन्ट्रल हॉल में प्रतिष्ठापित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के तैल चित्र पर आज उनकी जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी राजीव गांधी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया।

खेलो छत्तीसगढ़ ज्ञान की परीक्षा में प्रतिभागियों ने जीते पुरुस्कार

वर्चुअल रियलिटी गेम्स के जरिए आयोजित क्विज प्रतियोगिता ने बढ़ाया प्रतिभागियों का उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी के पांचवे दिन विभिन्न स्थानों से आए हुए प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के भूगोल, इतिहास, संस्कृति और अन्य उपलब्धियों से जुड़े अत्यंत रोचक प्रश्न पूछे गए।

जिनमें जशपुर जिले के जलप्रपात, सरगुजा जिले के खनिज, महासमुंद के सिरपुर की प्राचीन कला शैली और बस्तर क्राफ्ट जैसे विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछे गए, जिनके सही जवाब देकर प्रतिभागियों ने अपने पॉइंट्स बनाए। प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए यशवंत यदु ने कहा कि इस तरह के आयोजन से न केवल ज्ञान बढ़ता है, बल्कि हमें ऐसी जानकारियां मिलती हैं जो आमतौर पर आसानी से नहीं मिल पाती, उन्होंने क्विज प्रतियोगिता में भी भाग लिया। वहीं, श्री पंकज वर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यों की जानकारी सरल और स्पष्ट ढंग से मिल रही है, यहां आकर मुझे छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ी तथ्यात्मक जानकारी मिली।

थिएटर आर्टिस्ट निमेष पटेल ने प्रदर्शनी और यहां आयोजित क्विज प्रतियोगिता के आयोजन को ज्ञानवर्धक बताया। इसी तरह भिलाई से आईं श्रीमती अंजली नागपुरे और सुश्री गुंजन परमार ने वर्चुअल रियलिटी गेम्स के जरिए क्विज प्रतियोगिता में सवालों के जवाब चुनकर सही छत्तीसगढ़ के नक्शे पर डालकर पॉइंट्स बनाए गए। उन्होंने बताया कि वर्चुअल चीजें ज्यादा याद हो पाती हैं। वर्चुअल गेम्स के जरिए क्विज के आयोजन ने प्रतिभागियों के उत्साह भी बढ़ाया। गौरतलब है कि इस प्रदर्शनी में प्रदेश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनगाथा, उनके संघर्ष, दुर्लभ दस्तावेज और ऐतिहासिक क्षणों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है।

आज़ादी की लड़ाई के दौरान हुए विभिन्न आंदोलनों, जैसे भारत छोड़ो आंदोलन सहित कई महत्वपूर्ण संघर्षों में छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी को भी इसमें विस्तार से दर्शाया गया है। इसके साथ ही, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों तथा प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी भी प्रदर्शनी का हिस्सा है।

भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संभाला अपना-अपना दायित्व

प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी व नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीराम गर्ग एवं सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी ने किया पदभार ग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री त्रय यशवंत जैन, अखिलेश सोनी व नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीराम गर्ग एवं सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी ने पदभार ग्रहण कर विधिवत रूप से अपना-अपना दायित्व संभाला।

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, विधायक रोहित साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही निवर्तमान प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा, संजय श्रीवास्तव, भरतलाल वर्मा, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने पदभार ग्रहण के लिए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामना देते हुए आवश्यक मार्गदर्शन किया एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी पार्टी पदाधिकारी राष्ट्र प्रथम के भाव को लक्ष्य में रखकर पार्टी के विस्तार और संगठनात्मक गतिविधियों से जन-जन के जुड़ाव के कार्य में जुटेंगे।

विधानसभा, लोकसभा, नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों से लेकर संगठन महापर्व सदस्यता अभियान तक पार्टी पदाधिकारी के तौर पर कार्यकर्ताओं के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर चुनावों में भाजपा को ऐतिहासिक जन समर्थन और सदस्यता अभियान में लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाने में उनकी भूमिका का विशेष तौर पर उल्लेख करते हुए भाजपा अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि अब हमें जन समर्थन और संगठन के विस्तार को सुविचारित दिशा प्रदान करते हुए हर क्षण कार्य में जुटे रहने के लिए संकल्पित होना है।

मंत्रालय के विभागों में कार्य की प्रकृति जल्द होगी तेज

रायपुर। मंत्रालय में विभागों के अंतर्गत वर्तमान में स्वीकृत सेटअप के अनुसार स्टॉफकी पदस्थापना की गई है। इसके उपरांत भी कई विभागों से कार्य की अधिकता एवं विभागों विभागों में कार्यबोझ का उल्लेख करते हुए अतिरिक्त स्टॉफपदस्थ किये जाने संबंधी मांगपत्र निरंतर प्राप्त हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन, कार्य आबंटन नियम अंतर्गत मंत्रालय में आपके अधीन विभागों को आबंटित कार्य की प्रकृति, कार्य का स्वरूप एवं कार्यक्षेत्र के दृष्टिगत, कार्य की आवश्यकता के अनुरूप वर्तमान में पदस्थ स्टॉफ के अलावा विभाग में अतिरिक्त स्टॉफ पदस्थ किये जाने के संबंध में विभागीय स्तर पर समीक्षा कर, औचित्यपूर्ण पुनरीक्षण प्रस्ताव शीघ्र सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-8) स्थापना शाखा को उपलब्ध कराने के निर्देश छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत ने दिए।

छत्तीसगढ़ के मृणाल विदानी और ओजल चंद्राकर की बड़ी उपलब्धि

चेंच भाजी से फोरेंसिक पाउडर निर्माण के लिए मिली भारत सरकार से कापीराइट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महासमुंद जिला मुख्यालय निवास से विवेकानंद ग्लोबल युनिवर्सिटी जयपुर में फोरेंसिक विषय की पढ़ाई कर रहीं मृणाल विदानी और ओजल चंद्राकर को चेंच भाजी से फोरेंसिक पाउडर निर्माण के लिए भारत सरकार से कापीराइट मिली है। कालेज के प्रोफेसर उमैमा अहमद ने वाट्सअप पर यह सूचना देते हुए दोनों के परिवार को शुभकामनायें दी हैं। मृणाल विदानी इस वक्त डीएनए और अन्य कठिन विषयों के साथ मास्टर्स अंतिम वर्ष की पढाई कर रही हैं। वहीं ओजल चंद्राकर इस वर्ष बैचलर तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। मृणाल विदानी को दो साल पहले कोसे के धागे से फोरेंसिक ब्रश बनाने के लिए भारत सरकार से पहला कापीराइट मिला था।

कौशल परीक्षा 24 अगस्त को

रायपुर। जिला व सत्र न्याय जांजगीर-चांपा में रिक्त पद सहायक ग्रेड -03 एवं कोर्ट मैनेजर के पद के लिए 24 अगस्त को पूर्वान्ह 9.30 बजे से कौशल परीक्षा ली जाएगी। सभी पात्र अभ्यर्थी कौशल परीक्षा की निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अध्यक्ष भर्ती एवं पदोन्नति समिति, कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय जांजगीर-चांपा से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यायिक जिला स्थापना के पश्चात सहायक ग्रेड-3 के रिक्त 20 पदों एवं कोर्ट मैनेजर अमला हेतु लिपिक (संविदा) के एक पद हेतु पात्र अभ्यर्थिर्थियों की कौशल परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

खेलो भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय खेल दिवस पर होगा विविध कार्यक्रम का आयोजन

29 अगस्त को होगा शुभारंभ, 31 अगस्त को होगा संडे ऑन साईकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस 29 से 31अगस्त तक पूरे देश में खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। खेलो भारत मिशन के अंतर्गत यह आयोजन खेल संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाने और ओलंपिक 2036 की तैयारियों को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस संबंध में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी राज्यों के खेल मंत्रियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राष्ट्रीय स्तर पर सभी स्कूल, कॉलेज और बड़े स्टेडियम में खेल गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि इस खेल महोत्सव के जरिए खेल भावना का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ खेल भावना को जगाने का प्रयास नहीं, बल्कि भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में ठोस कदम है।

खेलो भारत
खेलेगा युवा जीतेगा भारत

राज्य के सभी जिलों में 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा। संडे ऑन साईकल अभियान चलाया जाएगा, जिसमें आम नागरिक और खिलाड़ी एक घंटे खेल मैदान या साइकिल गतिविधि में शामिल होंगे। खेल आयोजन के लिए प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। जिला मुख्यालय स्तर पर बड़े आयोजन होंगे, जिनमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय खिलाड़ियों की उपस्थिति रहेगी। समन्वय एवं मॉनिटरिंग के लिए फिट इंडिया पोर्टल पर रिपोर्टिंग की व्यवस्था होगी। खेल कार्यक्रम 29 अगस्त की सुबह 7:30 बजे हॉकी जादूगर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि से प्रारंभ होगी। इसके साथ ही शपथ दिलाई जाएगी और खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ होगा।

इसी तरह 30 अगस्त को स्पिरिट ऑफ सप्पोर्टस थीम पर सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। भारत ने 2036 ओलंपिक के आयोजन को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए स्पोर्ट्स फेडरेशन और ओलंपिक एसोसिएशन को सशक्त किया जाएगा। खेलो इंडिया सेंटर को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। वन कॉर्पोरेट वन स्पोर्ट्स मॉडल लागू किया जाएगा। खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

पाप से ऊंचा है पुण्य और पुण्य से बढ़कर है धर्म-मनीष सागरजी महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैगोर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मंगलवार को परम पूज्य उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि 20 अगस्त से पर्युषण पर्व शुरू हो रहा है। इन आठ दिनों में सभी अपनी जीवन शैली को बदलने का प्रयास करें। पर्युषण पर्व चेतना की जागृति के लिए है। आत्मा के कल्याण और निर्मलता के लिए है। राग द्वेष कम करने व दया,दान के भाव बढ़ाने के लिए सही लक्ष्य है। इसी को और बढ़ाना है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि पाप, पुण्य और धर्म के तीन ऑप्शन हर व्यक्ति के पास है। व्यक्ति अपने सुविधानुसार किसी भी परिस्थिति में जी सकता है। ज्ञानियों की दृष्टि में पाप से ऊंचा है पुण्य और पुण्य से बढ़कर है धर्म। धर्म मतलब धारण करना। जो स्वभाव है,उसका नाम धर्म है। नमक का भी अपना स्वभाव खरास है तो शक्कर का अपना स्वभाव मिठास है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमारा मूल स्वभाव समता है। समता मतलब समाधि। समाधि मतलब शांति। समभाव अर्थात ना कोई अनुकूल, ना कोई प्रतिकूल, ना कोई अच्छा, ना कोई बुरा। ना कोई मेरा ना कोई ते, रा ना राग ना द्वेष इसी को समभाव कहते हैं। यही शुद्ध भाव है। इसमें रहना यह आत्मा का स्वभाव है। वास्तविक स्वभाव को हम समझें। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि यदि आत्मा के स्वभाव में रहना है तो जानो और जाने दो का सिद्धांत अपनाना होगा। किसी से प्रभावित मत हो। आपको किसी और को नहीं सुधारना है। बस आपको तो इतना ही ध्यान रखना है कि आपको नहीं बिगड़ना है।

अभी हम दूसरों को सुधारने के चक्कर में अपने आप को बिगाड़ते रहते हैं। और जो सुधर नहीं सकते उनको सुधारने की नाकाम कोशिश करते रहते हैं। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि समता के लिए कोई प्रयत्न करने की जरूरत नहीं है। अपन मानते हैं कि समता के लिए बहुत कुछ करना पड़ेगा। राग, द्वेष छोड़ने के लिए बहुत कुछ करना पड़ेगा। समता के लिए कुछ नहीं करना पड़ेगा। बस समता में रह जाओ। समता अपने आप है। राग भी एक रिएक्शन है। द्वेष एक रिएक्शन है तो समता भी एक रिएक्शन है। पर उस रिएक्शन में कोई एक्शन नहीं है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि समता के पूर्व की जो स्टेज है उसका नाम पुण्य है। उसके पूर्व की जो स्टेज है वो पाप है। अपने पास पूरा मार्गदर्शन करने आठ दिन है। चिंतन करना है अपने को कि हम इन आठ दिनों में अपनी पाप की फैक्ट्री बंद करें। आठ दिन के लिए संसार से पूरे अलग थलग हो जाएं। धर्म, ध्यान, त्याग, तप, दान करें। सामायिक का जीवन, प्रतिक्रमण का जीवन,पूजा का जीवन ये आठ दिन के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का प्रयास करना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि यह आठ दिन वास्तव में एडजस्टमेंट्स के दिन भी हैं। अपने को रिटर्न तो भरना है। अपन ऐसा माने यह मार्च एंडिंग चल रहा है। जितना अच्छा एडजस्ट हो सकें हो जाएं। थोड़ा एडजस्टमेंट्स करके अपनी बैलेंस शीट को अच्छा बनाने की कोशिश कर लें। पुराने कर्मों को भी पश्चाताप और प्रायश्चित प्रतिक्रमण आदि के माध्यम से खपा सकते हैं। ऐसा करके पुरानी बैलेंस शीट जो लॉस में थी वो भी धीरे से प्रॉफिट में आएगी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कोशिश करना है हम सबको कि इन आठ दिनों का भरपूर उपयोग करना है। अपने जीवन को अच्छा बनाना है। क्रोध नहीं करना, लोभ सीमित रखना, मान में नहीं पड़ना और माया किसी से नहीं करना। नहीं झूठ कपट करना, ऐसा सरल सत्य जीवन जीने का इन आठ दिन में प्रयोग करें।

सांसद व विधायक ने किया समाज की शान हमारा अभिमान का पोस्टर विमोचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुहिणी सोच संस्था द्वारा आयोजित आगामी कार्यक्रम समाज की शान हमारा अभिमान के आयोजन की तैयारियों अभी से शुरु हो गई है। इसी सिलसिले में सांसद व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल व रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने समाज की शान हमारा अभिमान के पोस्टर का विमोचन किया।

संस्था के संस्थपिका मनीषा तारवानी व अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी ने बताया कि यह कार्यक्रम 14 सितम्बर 2025 को मैक कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य तीन वर्ष पूर्व बने वकील, जज, चार्टेड अकाउंटेट, इंजीनियर, डॉक्टर या किसी सरकारी पद को प्राप्त किए है और समाज को गौरवनित कर रहे है उनका सम्मान किया जाना है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इनको अपना आदर्श माने।

सचिव पूनम बजाज, प्रोग्राम डापरेक्टर माही बुलानी, कविता नारा ने आमंत्रण पत्र सौंपते हुए संस्था के प्रतिनिधियों करिशमा कमलानी पल्लवी चिमनानी, रेणु कृष्णानी ने उन्हें आयोजन की रूपरेखा और महत्व से अवगत कराया। मोतीलाल साहू व बृजमोहन अग्रवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए अपनी उपस्थिति के संकेत दिए और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। भारतीय सिंधु सभा के कोषाध्यक्ष सी ए चेतन तारवानी के सानिध्य में सब सम्पन्न हुआ।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी प्लंजिंग नेकलाइन ड्रेस में बढ़ाई गर्मी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी अपने नवीनतम फोटोशूट की शानदार तस्वीरें और वीडियो साझा करके तापमान बढ़ा रही हैं! उन्होंने हाल ही में एक बरगंडी क्रोकेट ड्रेस में कामुक तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की, जो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई। अभिनेत्री ने अब अपने फोटोशूट से एक मनमोहक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह अपनी पूरी शान में लुभावनी दिख रही हैं। उन्होंने बॉडी-हगिंग, बैकलेस ड्रेस में एक बोल्ड स्टेटमेंट दिया और प्रशंसक उनके नवीनतम लुक को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए।

दिशा पटानी ने अपने इंस्टाग्राम पर फोटोशूट का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह तस्वीरों के लिए आत्मविश्वास से कामुक पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। वह एक गहरी नेकलाइन वाली बरगंडी क्रोकेट ड्रेस में कमाल लग रही हैं, और यह उन पर बहुत जंच रही है। उन्होंने ड्रेस के साथ मैचिंग बिकिनी टॉप पहना मौनी रॉय अपने सेक्सी लुक पर फिदा हो गईं और उन्होंने लाल दिल वाले इमोजी के साथ कमेंट किया, हाय ब्यूटीफुल। नीचे दी गई तस्वीरें और वीडियो देखें!

'थामा' से सामने आया रश्मिका, नवाज और परेश रावल का फर्स्ट लुक, अंधेरे के बादशाह से टकराएंगे आयुष्मान

'स्त्री 2' के बाद अब दिनेश विजन के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'थामा' को लेकर काफी बज बना हुआ है। अब फिल्म की कास्ट के फर्स्ट लुक सामने आए हैं। मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'थामा' से अब आयुष्मान खुराना समेत फिल्म की पूरी कास्ट का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। साथ ही कौन किस किरादर में नजर आएगा, इसकी भी जानकारी सामने आ गई है। फर्स्ट लुक के सामने आने के बाद अब फिल्म को लेकर लोगों में उत्साह और भी बढ़ गया है।

इंसानियत की आखिरी उम्मीद बने आयुष्मान

मेकर्स ने फिल्म से आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल के लुक रिवील किए हैं। फिल्म में आयुष्मान खुराना आलोक के किरदार में नजर आएंगे, जो इंसानियत की आखिरी उम्मीद है। जारी किए गए पहले लुक में आयुष्मान अंधेरे में खड़े इंटेंस लुक देते नजर आ रहे हैं।

रोशनी की पहली किरण हैं रश्मिका

फिल्म से रश्मिका मंदाना का भी लुक सामने आया है। उनके किरदार का नाम ताड़का है, जो रोशनी की एक ही पहली किरण हैं। इस लुक में रश्मिका गुस्से में नजर आ रही हैं। वो एक जंगल में खड़ी हैं और उनके बाल बिखरे हुए हैं। हरे रंग की ड्रेस में रश्मिका काफी खतरनाक नजर आ रही हैं।

नवाज हैं अंधेरे के बादशाह

हॉरर-यूनिवर्स में अक्षय कुमार के बाद अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी की भी एंट्री हो चुकी है। नवाज 'थामा' में विलेन के किरदार में नजर आएंगे। उनके किरदार का नाम यक्षसन है, जो अंधेरे का बादशाह है। नवाज पोस्टर में एक डरावनी हंसी हंस रहे हैं। उनके पीछे एक विशालकाय प्रतिमा का चेहरा नजर आ रहा है, जिसके दो बड़े से दांत हैं और आंखों में आग जल रही है। साथ ही पीछे एक काली देवी या राक्षसों की देवी की प्रतिमा भी नजर आ रही है।

मिस्टर राम बजाज गोयल के किरदार में दिखेंगे परेश रावल

इस फिल्म में परेश रावल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। वो फिल्म में मिस्टर राम बजाज गोयल का किरदार निभा रहे हैं, जिसकी खासियत है कि वो हमेशा कॉमेडी में भी ट्रेजेडी ढूंढ लेते हैं। आंखों में चश्मा और स्वेटर पहने परेश रावल पोस्टर में परेशान नजर आ रहे हैं। उनका बैकग्राउंड आधा काला और आधा लाल है।

आज दिखेगी 'थामा' की दुनिया की पहली झलक

फिल्म की मेन कास्ट के फर्स्ट लुक जारी करने के साथ ही मेकर्स ने ये भी बताया है कि कल यानी 19 अगस्त को 'थामा' की दुनिया की पहली झलक सामने आएगी। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'थामा' इस साल दीवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

अभिनेत्री अंजिनी धवन ने अपने स्टनिंग बिकिनी लुक से फैंस के उड़ाए होश

सिकंदर फेम एक्ट्रेस अंजिनी धवन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर क्रोएशिया में वेकेशन एंजॉय करते हुए तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी बिकिनी लुक को देख फैंस अपना दिल हार बैठे हैं। यहां देखिए एक्ट्रेस के वेकेशन की तस्वीरें।

वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन आए दिन अपने फैशनेबल लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी वो काफी एक्टिव हैं और फैंस के साथ अपने डेली अपडेट्स शेयर करती हैं। अब हाल ही में हसीना ने क्रोएशिया में अपना वेकेशन एंजॉय करते हुए अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। इन फोटोज पर अब फैंस जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर ये तस्वीरें अब काफी वायरल हो चुकी हैं

वायरल तस्वीरों में अंजिनी को कलरफुल बिकिनी पहने बीच साइड एंजॉय करते देखा गया। तस्वीरों में एक्ट्रेस खुले बालों में अपना टोन्ड फिगर फ्लांट करते हुए नजर आ रही हैं।

कलरफुल बिकिनी में उन्होंने अलगङ्कअलग पोज में अपनी तस्वीरें शेयर की है जो फैंस की धड़कने तेज कर रही हैं। अक्सर ही वो सिजलिंग अवतार में अपनी फोटोज शेयर करती हैं और हर बार फैंस उनकी खूबसूरती के मुरीद बन जाते हैं।

वेकेशन के दौरान ग्लौसी मेकअप और खुले बालों में अंजिनी धवन बला की खुशबूरत लग रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देख यूजर्स उनके पोस्ट पर जमकर लाइक्स की बरसात कर रहे हैं। आपको बता दें, अंजिनी धवन पॉपुलर बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की भतीजी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फैमिली ड्रामा 'बिन्नी एंड फैमिली' से की थी। आखिरी बार उन्हें सलमान खान की फिल्म सिकंदर में देखा गया था।

फिल्मी पर्दे के साथ एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और अक्सर ही अपने दिलकश अदाओं और डांस रील से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग हैं और फैंस हमेशा की उनकी एक झलक पाने को बेकरार रहते हैं।

हॉरर से डर लगता था, लेकिन टीम की मदद से आसान हुआ सफर: एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली

कंटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री प्राजक्ता कोली हालिया रिलीज साइकोलॉजिकल-हॉरर स्ट्रीमिंग सीरीज अंधेरा को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह हॉरर या पैरानॉर्मल जॉनर से ज्यादा अवगत नहीं थीं, लेकिन उनकी टीम की मदद से सब कुछ मुमकिन हो गया।

प्राजक्ता सीरीज में एक पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह हॉरर शैली से ज्यादा वाकिफ नहीं हैं। शो की शुरुआत में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन शो के निर्माता और निर्देशक की मदद से उन्होंने जल्दी ही खुद को संभाल लिया और अच्छा काम किया।

अभिनेत्री ने बताया, मैं हॉरर जॉनर के लिए बिल्कुल नई थी; मैं डरावनी फिल्में या शोज नहीं देखती। इसलिए इसकी कहानी को अच्छे-से समझने के लिए शो के क्रिएटर गौरव और डायरेक्टर राघव सर से लंबी बातचीत करती थी। शूटिंग के दौरान सीन से पहले और सीन के बीच में अगर कोई सवाल होता था, तो हम खुलकर बात करते थे। सेट पर माहौल काफी शानदार था, जिससे मुझे काम करना आसान लगा।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं हमेशा से ही इस बारे में विचार करती हूं, कि अगर किसी सीन की शूटिंग करनी है, तो उससे संबंधित डायलॉग को गहराई के साथ समझें, इससे काम करने में आसानी हो जाती है। लेकिन इस सीरीज की शूटिंग के दौरान मुझे ज्यादा समझने

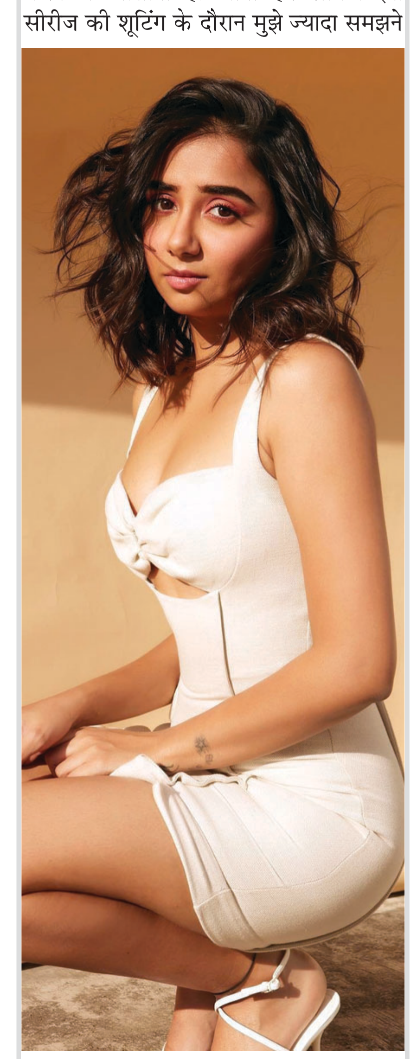

में या विचार करने की जरूरत नहीं पड़ी और इसकी वजह थे, लेखक और डायरेक्टर। उन्होंने कहानी और किरदारों को इतनी अच्छी तरह से लिखा था कि हमें अपने रोल निभाने में आसानी हुआ। वैसे सच बताऊं तो, मैंने द कॉन्जुरिंग (हॉलीवुड फिल्म) के अलावा किसी भी पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर कहानी नहीं देखी है।

अंधेरा मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें इंस्पेक्टर कल्पना कदम और मेडिकल स्टूडेंट जय की कहानी दिखाई गई है, जो एक लापता व्यक्ति के केस में उलझ जाते हैं। यह केस उन्हें शहर के नीचे छिपी एक भयावह शक्ति की ओर ले जाता है। यह सीरीज क्या होगा अगर अंधेरा जीवित हो जाए? जैसे काल्पनिक सवाल की खोज करती है। इसमें सुरवीन चावला और प्रिया बापट भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और राघव दार द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

बागी 4 का पहला गाना गुजारा जारी, हरनाज संधू के साथ इश्क फरमाते दिखे टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग मूवी बागी-4 का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें टाइगर श्रॉफ का खूंखार अवतार देखने को मिला था। अब इस फिल्म का पहला रोमांटिक गाना गुजारा रिलीज हो गया है।

इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ अपने प्यार की चाहत में जुनून की हद पार करते दिखेंगे। इस सिचुएशन को ध्यान में रख रोमांस से भरपूर गीत गढ़ा गया है। आज इसे टी-सीरीज के यूट्यूब अकाउंट पर रिलीज कर दिया गया। गुजारा में हमें टाइगर श्रॉफ के किरदार का रोमांटिक पहलू दिखाई देता है, जबकि ट्रेलर में हमें उनका एक्शन अवतार देखने को मिला था।

गाने में उनके साथ हरनाज संधू भी हैं। वो इस फिल्म में रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ की प्रेमिका के रोल में हैं। इस गाने में रॉनी अपने प्यार में खोया उसके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखता है। यह गाना बताता है कि फिल्म में एक्शन की जगह एक प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई देगी। कमेंट सेक्शन को देखने के बाद पता चल रहा है कि लोगों को ये गाना काफी पसंद आ रहा है। इसके बोल भी कमाल के हैं।

इसे जोश बरार और परंपरा ने गाया है। लिरिक्स जगदीप और कुमार के हैं। गाने का संगीत सलामत अली मतोई और जोश बरार ने दिया है। साजिद नाडियाडवाला ने कहानी और पटकथा लिखी है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। बागी 4 जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और अराजकता से भरी फिल्म होगी। बागी 4 आगामी 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस गाने के सिंगर जोश बरार ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, जब साजिद नाडियाडवाला सर और भूषण सर ने इस गाने की लिरिक्स सुनी, तभी कह दिया था कि ये गीत बागी-4 में होगा। जो भरोसा उन्होंने मुझ पर दिखाया उसके लिए मैं तहे दिल से उनका आभारी हूं। टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू ने इसमें जान डाल दी है, मैं लोगों का इसके प्रति रुझान देखना चाहता हूं और इसे लेकर मैं काफी उत्सुक हूं।

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए जरूरी हैं ये 5 विटामिन

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए विटामिन्स अहम भूमिका निभाते हैं। ये न केवल बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि उन्हें चमकदार और स्वस्थ भी रखते हैं। विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-सी, विटामिन-डी और विटामिन-ई बालों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। इन विटामिन्स के सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं। आइए जानते हैं कि बालों को तेजी से बढ़ाने के लिए किन विटामिन्स का सेवन करना चाहिए।

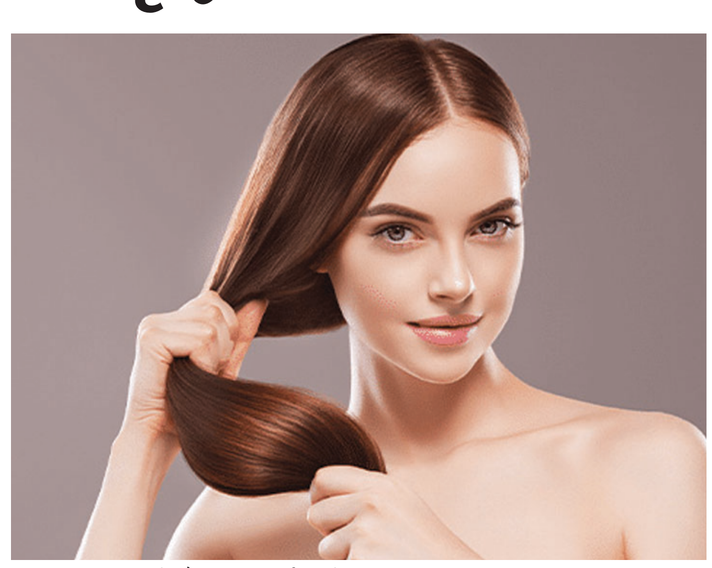

विटामिन-ए

विटामिन-ए बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। गाजर, पालक, कद्दू और आम जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-ए से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-ए की गोलियों का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-बी

विटामिन-बी बालों की बढ़त के लिए बहुत जरूरी है। यह बालों की जड़ों तक खून का संचार बढ़ाता है जिससे बाल तेजी से बढ़ते हैं। दही, हरी सब्जियां और साबुत अनाज विटामिन-बी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप केले, एवोकाडो और बादाम जैसे खाद्य पदार्थों का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-बी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-सी

विटामिन-सी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। संतरा, नींबू, अमरूद और स्ट्रॉबेरी जैसे फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-डी

विटामिन-डी बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है जिससे वे स्वस्थ रहते हैं और तेजी से बढ़ते हैं। धूप में बैठना या विटामिन-डी की गोलियां लेना इसके लिए अच्छा होता है। दूध, संतरे का रस और मशरूम भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप मछली के तेल का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-डी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-ई

विटामिन-ई एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। बादाम, सूरजमुखी के बीज, पत्तेदार सब्जियां और एवोकाडो जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-श्व के अच्छे स्रोत होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह अनुसार विटामिन-ई सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं।

ऊन से बनाए जा सकते हैं ये 5 तरह के फूल, जानिए तरीका

ऊनी फूल बनाने की कला एक खूबसूरत शौक है, जो न केवल आपके घर को सजाने में मदद करता है, बल्कि आपके मन को भी खुश करता है। इन फूलों को बनाने के लिए आपको कुछ आसान तरीकों का पालन करना होगा। इस लेख में हम आपको कुछ प्रमुख ऊनी फूलों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं और अपने शौक को नया रूप दे सकते हैं।

गुलाब के फूल

गुलाब के फूल बनाने के लिए सबसे पहले आपको गुलाबी या लाल रंग का ऊन चाहिए। इसे छोटे-छोटे गोलों में लपेटकर आप गुलाब की पंखुड़ियां तैयार कर सकते हैं। इन पंखुड़ियों को एक-दूसरे के ऊपर जोड़कर गुलाब का फूल बना सकते हैं। इसके बाद हरे रंग के ऊन से तने और पत्तियां बनाकर अपने गुलाब के फूल को पूरा करें। इस तरह का फूल आपके घर की सजावट में चार चांद लगा देगा।

सूरजमुखी

सूरजमुखी बनाने के लिए पीले और भूरे रंग के ऊन का उपयोग किया जा सकता है। सबसे पहले पीले ऊन से बड़े गोलाकार बनाकर उसे सूरजमुखी की पंखुड़ियों का आकार दें। इसके बाद भूरे ऊन से बीच का हिस्सा बनाएं, जिसमें काले या भूरे रंग के छोटे-छोटे गोले जोड़ें। इस प्रकार आप आसानी से अपने घर के लिए एक खूबसूरत सूरजमुखी तैयार कर सकते हैं, जो आपके घर की सजावट में नयापन लाएगा।

कमल का फूल

कमल का फूल बनाने के लिए गुलाबी या सफेद रंग का ऊन चाहिए। सबसे पहले बड़े गोलाकार बनाकर उन्हें पंखुड़ियों का आकार दें। इसके बाद छोटे-छोटे गोलाकार बनाकर उन्हें बीच में जोड़ें ताकि कमल का फूल तैयार हो सके। इस तरह से आप आसानी से अपने घर के लिए एक खूबसूरत कमल का फूल बना सकते हैं, जो आपके घर को एक नया रूप देगा और उसे आकर्षक बनाएगा।

लिली

लिली बनाने के लिए सफेद या पीले रंग का ऊन चाहिए। सबसे पहले बड़े गोलाकार बनाकर उन्हें पंखुड़ियों का आकार दें। इसके बाद छोटे-छोटे गोलाकार बनाकर उन्हें बीच में जोड़ें ताकि लिली का फूल तैयार हो सके। ऐसे आप आसानी से अपने घर के लिए एक खूबसूरत लिली बना सकते हैं, जो आपके घर को एक नया रूप देगा और उसे आकर्षक बनाएगा।

ऑर्किड

ऑर्किड बनाने के लिए बैंगनी या सफेद रंग का ऊन चाहिए। सबसे पहले बड़े गोलाकार बनाकर उन्हें पंखुड़ियों का आकार दें, फिर बीच में छोटे-छोटे गोलाकार बनाकर उन्हें बीच में जोड़ें ताकि ऑर्किड का फूल तैयार हो सके। इस प्रकार आप आसानी से अपने घर के लिए एक खूबसूरत ऑर्किड बना सकते हैं, जो आपके घर को सजाने में मदद करेगा और उसे आकर्षक बनाएगा। इन सभी फूलों को बनाने के लिए आपको केवल थोड़ी-सी मेहनत करनी होगी।

छत्तीसगढ़ की जनजातियों पर शोध और अनुसंधान की राह खुली, जीजीसीयू व टीआरकेसी के बीच एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में निवास करने वाली जनजातियों पर विशेष शोध और अनुसंधान की राह खुल गई है। राज्य की जनजातियों की गौरवशाली परंपरा, उनकी संस्कृति और उनके आर्थिक-समाजिक ताने-बाने को लेकर अब विद्यार्थी उच्च स्तरीय शोध कर पाएंगे। राज्य के गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय (GGC) और ट्रायबल रिसर्च एण्ड नॉलेज सेंटर (TRKC) नई दिल्ली के बीच इसके लिए महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है।

टीआरकेसी विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भारतीय जनजातियों के बारे में शोध कार्यों के लिए महत्वपूर्ण संस्था है। विश्वविद्यालय के ओर से इस एमओयू पर कुलसचिव प्रो. अभय एस रणदिवे और टीआरकेसी की ओर से छत्तीसगढ़ प्रभारी राजीव शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

इस एमओयू के तहत् संस्था द्वारा अगले तीन वर्षों तक छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों पर शोध कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे, वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा कार्यप्रमुख वैभव सुरंगे सहित अनेक प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी आदि मौजूद रहे।

जनजातीय विषयों पर शोध को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण संस्था

एमओयू के बारे में टीआरकेसी के राज्य प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि टीआरकेसी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जनजातीय विषयों पर शोध कार्यों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण संस्था है। गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर से एमओयू के बाद छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातीयों पर रिसर्च तेज होगी। उन्होंने बताया कि राज्य की पुरातन और गौरवशाली जनजातीय के कई अनछुए पहलुओं और उनकी सभ्यता और संस्कृति के बारे में इन शोधों से आम नागरिकों को भी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी।

इन शोध कार्यों से सरगुजा और बस्तर के क्षेत्रों की विभिन्न जनजातियों के आदिकालीन सामाजिक संगठन, उनके अर्थशास्त्र, सुशासन, ग्रामीण उद्यमिता, सतत् विकास और नवाचार के बारे में भी लोगों को जानकारियां मिलेंगी। श्री शर्मा ने बताया कि इससे खुद जनजातीय युवा अपने गौरवशाली अतीत और उसकी व्यवस्थाओं के बारे में जान पाएंगे।

जनजातीयों पर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं शुरू होंगी

विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि संपादित एमओयू के बाद जनजातीयों पर संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं शुरू होंगी। क्षेत्राधारित केस स्टडी और युवाओं, प्रशासकों, जनजातीय हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेतृत्व विकास कार्यशालाएं और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी आयोजित होंगे। युवाओं के लिए सामाजिक प्रभाव आधारित स्टॉर्टअप और नवाचारों पर मार्गदर्शन तथा परामर्श सत्र रखे जाएंगे। विशेषज्ञों और प्राध्यापकों की भागीदारी से जनजातीय वर्ग में जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। जनजातीय पर आधारित संगोष्ठीयों, व्याख्यानों, सम्मेलनों, गोलमेज चर्चाओं तथा सार्वजनिक संवादों का भी आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि रिसर्च वर्क से मिले परिणामों को पुस्तकालयों, अनुसंधान प्रकाशनों तथा डेटाबेस के द्वारा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों पर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे राज्य के जनजातीय समुदाय के बारे में अधिक से अधिक जानकारी लोगों तक पहुंच सकेगी। स्वयं जनजातीय समुदायों को भी अपने गौरवशाली अतीत के बारे में पता चलेगा और भविष्य में यह रिसर्च वर्क जनजातीयों के विषयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में शामिल करने का जरिया बनेंगे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से छत्तीसगढ़ में हितग्राही परिवार को न केवल बिजली बिल में राहत मिल पा रहा हैं, बल्कि वे पर्यावरण संरक्षण में भी सक्रिय योगदान दे रहे हैं। सक्ती जिले के डभरा की निवासी श्रीमती सरस्वती अहिरवार इसका सशक्त उदाहरण बनी हैं।

सरस्वती अहिरवार शुरू से ही प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रही हैं। सौर ऊर्जा समाधान की खोज में रहीं सरस्वती जी के लिए योजना एक सुनहरा अवसर साबित हुई। उन्होंने इस योजना के तहत अपने घर की छत पर रूफ्टॉप सोलर पैनल स्थापित कराई। अत्याधुनिक पैनलों से उत्पन्न स्वच्छ बिजली ने उनके घर की ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही बिजली बिल का बोझ भी कम किया।

सरस्वती ने बताया कि सोलर पैनल लगने से उन्हें दोहरे लाभ मिल रही हैं एक ओर बिजली बिल में बचत, दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण और सुकून। लगभग 8 महीने पहले लगाए गए इन पैनलों से वह प्रत्यक्ष रूप से कार्बन उत्सर्जन कम करने में योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा यह मेरे पर्यावरण प्रेम की साकार अभिव्यक्ति है। मुझे खुशी है कि अपने घर से ही स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन कर रही हूँ।

इस योजना के अंतर्गत उन्हें सरकार से सब्सिडी भी मिली, जिससे यह निवेश और अधिक सुगम हो गया। श्रीमती सरस्वती का मानना है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को बदला है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में उनके प्रयासों को भी मजबूत किया है। उन्होंने केंद्र और राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से आम नागरिकों की आकांक्षाएँ और सामाजिक लक्ष्य दोनों पूरे हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की धरोहर से रुबरु हुई नई पीढ़ी-जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में वर्चुअल क्विज ने बढ़ाया उत्साह

राजकीय वृक्ष, पुष्प, राष्ट्रीय उद्यान और सिरपुर कला शैली पर पूछे गए सवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में आयोजित छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी में आज ज्ञान, इतिहास और तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के छठवें दिन राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों ने 'खेलो छत्तीसगढ़ ज्ञान प्रतियोगिता' में हिस्सा लिया और छत्तीसगढ़ के भूगोल, इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों से जुड़े सवालों के सही जवाब देकर पुरस्कार जीते।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से छत्तीसगढ़ के राजकीय वृक्ष, पुष्प, राष्ट्रीय उद्यान, जशपुर जिले के जलप्रपात, सरगुजा के खनिज, महासमुंद के सिरपुर की प्राचीन कला शैली और बस्तर क्राफ्ट जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे गए। संत कंवर राम विद्यालय की छात्रा परी मानिकपुरी ने पूरे 15 प्रश्नों के सही उत्तर देकर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

दुर्ग से आईं श्रीमती पायल शर्मा (गूगल बॉय मास्टर रुद्र की माता) ने वर्चुअल रियलिटी गेम्स के जरिए प्रश्नों के उत्तर दिए और छत्तीसगढ़ के नक्शे पर सही स्थानों को चिह्नित कर अंक प्राप्त किए। रायपुर की श्रीमती गीता गुप्ता ने भी वर्चुअल रियलिटी गेम्स में हिस्सा लिया, उन्होंने कहा कि वर्चुअल अनुभवों से चीजें लंबे समय तक याद रहती हैं, जिससे पढ़ाई और भी रोचक बनती है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए श्री जी.के. ताम्रकार ने इसे ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि यहां से हमें ऐसी ऐतिहासिक जानकारियां मिलती हैं जो सामान्य तौर पर उपलब्ध नहीं होतीं। इसी तरह अखिलेश्वर तिवारी ने कहा कि यहां स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों के साथ-साथ राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी भी सरल ढंग से मिल रही है।

आज मायाराम सुरजन कन्या विद्यालय, संत कंवर राम विद्यालय, भारत स्काउट गाइड, प्रो. जे. एन. पांडे विद्यालय और अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा से परिचित हुए।

गौरतलब है कि यह प्रदर्शनी न केवल वीर स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन, संघर्ष और दुर्लभ दस्तावेजों को प्रदर्शित कर रही है, बल्कि आजादी की लड़ाई के दौरान छत्तीसगढ़ की सक्रिय भूमिका को भी उजागर कर रही है। इसके साथ ही, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं और प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों की झलक भी यहां देखने को मिल रही है।

प्रदर्शनी का आयोजन 15 अगस्त से किया गया रहा है, गुरुवार 21 अगस्त कल तक सुबह 10:30 बजे से रात 8:00 बजे तक आम नागरिकों के लिए नि:शुल्क खुली रहेगी।

राजस्व कार्य होंगे और अधिक पारदर्शी व समयबद्धः मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, एग्रीस्टेक और जिओ-रिफ्रेंसिंग जैसे सीधे जनता से जुड़े विषयों पर विशेष चर्चा कर कार्यो की प्रगति की जानकारी ली गई।

मंत्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता को राजस्व सेवाओं के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सभी कार्य समय-सीमा में और पारदर्शिता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे कार्य ग्रामीणों व किसानों की आजीविका से जुड़े हैं, ऐसे में इनकी समय पर पूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एग्रीस्टेक और जिओ-रिफ्रेंसिंग की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को नवीनतम तकनीक का अधिकतम उपयोग कर डिजिटल समाधान अपनाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री वर्मा ने कहा तकनीक से न केवल कार्यकुशलता बढ़ेगी, बल्कि भ्रष्टाचार और विवादों पर भी अंकुश लगेगा। जनता को पारदर्शी और त्वरित सेवा मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। नई तकनीक अपनाने से भूमि से जुड़े विवादों का भी त्वरित निराकरण संभव हो सकेगा।

बैठक में राजस्व विभाग के सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। मंत्री वर्मा ने सभी अधिकारियों को राजस्व कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री के निर्देशों को अमल में लाने का भरोसा दिलाया।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर वर्ष 2024-25 के चावल जमा एवं आगामी विपणन वर्ष 2025-26 हेतु धान खरीदी की आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बैठक में मंत्री बघेल ने केन्द्रीय पूल में चावल जमा की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की तथा इसमें तेजी लाने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस वर्ष चावल का कन्वर्ज़न नहीं किया जाएगा और निर्धारित समय सीमा में चावल जमा सुनिश्चित हो। आगामी खरीफ वर्ष में उपार्जन हेतु किसान पंजीयन की समीक्षा करते हुए मंत्री जी ने एग्री पोर्टल पर छूटे हुए किसानों का पंजीयन तत्काल करने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त मंत्री बघेल ने उपार्जन केन्द्रों में सुविधाएं बढ़ाने पर जोर देते हुए प्रत्येक जिले में 5-5 उपार्जन केन्द्रों को एल-5 (एक्सेलेंट) श्रेणी में लाने के निर्देश दिये। साथ ही, नये उपार्जन केन्द्रों के प्रस्ताव भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

बैठक में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की सुचारू व्यवस्था हेतु एफआर.के. व्यवस्था एवं बारदाने की उपलब्धता को वृहद रूप देने पर भी विशेष निर्देश दिये गये।

बैठक में खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, एमडी नागरिक आपूर्ति निगम किरण कौशल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से छत्तीसगढ़ में बदल रही जिंदगियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत ज़रूरतमंद परिवारों को पक्के और सुरक्षित घर मिल रहे हैं। इस योजना ने गरीब और कमजोर वर्ग के जीवन में नई रोशनी लाई है। सक्ती जिले के विकासखंड सक्ती अंतर्गत ग्राम नंदौरखुर्द निवासी श्री लतेल दास महंत इसका जीवंत उदाहरण बने हैं।

कृषि कार्य से गुजर-बसर करने वाले श्री लतेल दास महंत वर्षों तक खपरैल वाले कच्चे मकान में रहते थे। बरसात के मौसम में टपकती छत, दरकती दीवारें और हर साल खपरैल पलटने की चिंता उनका सबसे बड़ा संकट था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह पक्का मकान बना पाने असमर्थ था।

प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया और पात्रता मिलने के बाद उन्हें पक्का मकान आवंटित हुआ। आज उनका मजबूत, सुरक्षित आवास तैयार है, जिससे बरसात की परेशानियाँ अब इतिहास बन चुकी हैं। श्री लतेल दास महंत ने बताया कि हर साल बरसात हमारे लिए चिंता और संकट लेकर आती थी। अब प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला पक्का घर हमें न सिर्फ सुरक्षा दे रहा है बल्कि आत्मसम्मान और स्थिरता भी प्रदान कर रहा है।

वन्यजीव अपराध जांच एवं अभियोजन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन्यजीव अपराधों की रोकथाम और कार्रवाई में तेजी लाने के लिए बलौदाबाजार वनमण्डल कार्यालय में दो दिवसीय 'वन्यजीव अपराध जांच एवं अभियोजन पर प्रशिक्षण कार्यशाला' शुरू हुई। यह कार्यशाला 19 से 20 अगस्त तक वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, भोपाल के सहयोग से आयोजित की जा रही है। यह प्रशिक्षण वन्यजीव अपराधों की जांच और अभियोजन को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

पहले दिन के प्रशिक्षण का शुभारंभ वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने किया। इसमें उदंती-सीतानदी टाईगर रिजर्व के उप निदेशक वरुण जैन, बारनवापारा अभ्यारण्य के उप वन संरक्षक क्रिशानू चंद्राकर, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो भोपाल से डॉ. के.के. शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता यश कुमार सोनी, जबलपुर के स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फोरेंसिक एंड हेल्थ से डॉ. निधि राजपूत और मध्यप्रदेश पुलिस से अफ़ज़ल खान जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए।

प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, दंडनीय अपराधों की श्रेणियां, अनुसूचित प्राणियों का महत्व, अपराध जांच की प्रक्रिया और न्यायालय में साक्ष्यों की वैधानिकता पर जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने केस स्टडी और वास्तविक उदाहरणों के जरिए विषय को और अधिक सरल व प्रभावी बनाया। कार्यशाला में डॉ. निधि राजपूत ने अपराध स्थल प्रबंधन और साक्ष्य संरक्षण पर विशेष जानकारी दी। वहीं वरुण जैन ने बताया कि समय पर कार्रवाई और टीमवर्क से वन्य अपराधों पर रोक लगाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में उदंती-सीतानदी टाईगर रिजर्व, बलौदाबाजार वनमण्डल और पुलिस विभाग के लगभग 70 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

नन्हें बच्चों के लिए बना पीएम जनमन आंगनबाड़ी केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने निर्देश दिए हैं कि जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को केन्द्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले।

इसी पहल के अंतर्गत बगीचा विकासखंड के ग्राम दर्रीपारा कुटमा में सर्वसुविधायुक्त पीएम जनमन आंगनबाड़ी केंद्र बनकर तैयार हो गया है। यहां विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के बच्चे उत्साह से आंगनबाड़ी पहुंच रहे हैं। बच्चों को प्रतिदिन गर्म भोजन, नियमित स्वास्थ्य जांच, बौद्धिक विकास और पूर्व प्राथमिक शिक्षा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जिले में पीएम जनमन योजना के तहत कुल 17 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। इनमें बगीचा विकासखंड में 16 और मनोरा विकासखंड में 1 आंगनबाड़ी केंद्र शामिल है।

जिला प्रशासन की इस पहल से न केवल बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार होगा, बल्कि पहाड़ी कोरवा परिवार के बच्चों को शिक्षा से जोडकर उनके जीवन स्तर सकारात्मक बदलाव लाना है।

खास खबर

पत्नी को हत्या की धमकी दी, पति के खिलाफ अपराध दर्ज

रायपुर। पति ने दूसरी पत्नी को लाने की जिद में अपनी पहली पत्नी से मारपीट की। उसने पत्नी से गाली-गलौज की और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। झगड़े के दौरान पत्नी के चेहरे, कमर और भुजा में चोटें आई है। यह घटना गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र की है।

एफआईआर के मुताबिक, माधुरी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि 12 अगस्त की रात 8:30 बजे वह घर पर थी। तभी उसके पति टुमन सोनवानी उर्फ लल्ला ने दूसरी पत्नी को घर नहीं लाने देने की बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया। फिर वह गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद उसने जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इस दौरान आरोपी ने अपनी पत्नी की भुजा को दांत से काट लिया। मारपीट की वजह से महिला के चेहरे, कमर और भुजा में चोटें आई है। पत्नी की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

ट्रैलर चालक की संदिग्ध हालत में मिली लाश

रायगढ़। सारडा माईंस के ट्रैलर पार्किंग में एक ड्रायवर की लाश देखी गई। जिससे अन्य लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की जांच में जूट गई है। मामला तमनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड गारे पेलमा के करवाही बजरमुड़ा स्थित ट्रैलर पार्किंग में एक ट्रैलर चालक की संदिग्ध परिस्थिति में लाश देखी गई। जिसके बाद आसपास के अन्य ड्रायवरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। ऐसे में पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में जांच शुरू की। जहां उसकी पहचान मध्यप्रदेश का रहने वाला विजय कुमार के रूप में हुई। इसके बाद उसके साथी ड्रायवरों से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि रात में शराब पीने और खाना खाकर अपने ट्रैलर से नीचे उतरा था। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है वह शराब के नशे में गिरा होगा और अज्ञात वाहन के कुचलने से उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके पेट और चेहरे में वाहन के कुचलने जैसा नजर आ रहा है। हांलाकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इसकी पुष्टि होने की बात कही जा रही है। फिलहाल मामले में शव का पंचनामा कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जूट गई है।

एक्टिवा से गांजा सप्लाई, गिरफ्तार

रायपुर। थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्रांतर्गत वार्ड नं. 05 रोड के पास दोपहिया वाहन सवार एक व्यक्ति अपने पास गांजा रखा है तथा कहीं जाने की फिराक में है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक विधानसभा वीरेन्द्र चतुर्वेदी तथा उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संयज सिंह द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी तिल्दा नेवरा को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को गांजा के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये दोपहिया वाहन एवं हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम विजय कुमार रोहरा निवासी रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसकी दोपहिया वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी विजय कुमार रोहरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 किलो 716 ग्राम गांजा तथा घटना में प्रयुक्त 01 नग दोपहिया वाहन क्रमांक सीजी/04/के टी/2771 जुमला कीमती लगभग 2,00,000 रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 360/25 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। गिरफ्तार आरोपी विजय कुमार रोहरा पिता बोदामल रोहरा उम्र 43 साल निवासी वार्ड नं0 05 सिंधी कैम्प तिल्दा थाना तिल्दा नेवरा जिला रायपुर है।

बीजापुर में पांच नक्सली गिरफ्तार, बंगोली के जंगल से सुरक्षाबलों ने धरदबोचा, विस्फोटक भी बरामद

श्रीकंचनपथ

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को जिले के भैरमगढ़ थाना एवं डीआरजी बीजापुर की संयुक्त टीम ने बंगोली के जंगल पांच नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पकड़े गए पांच में से 4 नक्सलियों पर कुल 6 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कब्जे से टिफिन बम, विस्फोटक सामग्री, पिट्ठू बैग, जमीन खोदने के औजार सहित अन्य सामान बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को डीआरजी व भैरमगढ़ थाना की संयुक्त टीम माड़ एरिया के बंगोली, सतवा, बेलनार, मरकापाल और घोटपाल क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इस दौरान बंगोली के जंगल से 5 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। यह सभी नक्सली लंबे समय से नक्सल संगठन से जुड़े हुए थे। पुलिस के अनुसार इन नक्सलियों के पास टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, बिजली के तार, बैटरी, सब्बल जमीन खोदने का औजार समेत अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद किया गया है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को थाना भैरमगढ़ लाया गया, जहां उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

पकड़े गए नक्सलियों के नाम

माहरू यादव उर्फ सगनू 32 वर्ष निवासी बोड़गा, थाना भैरमगढ़, जिला बीजापुर। लक्खू फरसा 30 वर्ष निवासी कोलनार, थाना जांगला, जिला बीजापुर। बुधराम कोवासी 45 वर्ष निवासी ताकीलोड़, थाना भैरमगढ़। सुखराम हेमला उर्फ जयराम 23 वर्ष निवासी हींगमेट्टा, थाना जांगला। सीताराम डोडी 25 वर्ष निवासी घोटपाल पटलपारा, थाना भैरमगढ़।

दंतेवाड़ा में 21 नक्सलियों ने किया सरेंडर : 13 पर था 25 लाख से ज्यादा का इनाम, सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सलियों की कमर टूट रही है। ताजा मामले में दंतेवाड़ा में 21 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। पुलिस विभाग के द्वारा चलाये जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलियो बुधवार को पुलिस के समक्ष पहुंचकर सरेंडर किया। 21 नक्सलियों ने लाल आतंक से तौबा कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है।

नक्सलियों ने बताया कि लाल आतंक से मोह पूरी तरह से भंग हो गया था, जिसके चलते समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय दन्तेवाड़ा में आत्मसमर्पण किया। जिन 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है उनमें से 13 नक्सलियों के ऊपर इनाम घोषित था, आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50 हजार रूपये की सहायता राशि के साथ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधायें जैसे स्किल डेवलपमेंट हेतू प्रशिक्षण, कृषि भूमि इत्यादि मुहैया कराई जाने की बात कही गई।

नारायणपुर में 8 नक्सलियों ने किया सरेंडर

नारायणपुर जिले में बुधवार को 8 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें 6 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। सभी पर कुल 30 लाख का इनाम था। नारायणपुर में सरेंडर करने वालों में डिविजनल कमेटी मेंबर (DVCM) और नक्सलियों का डॉक्टर टीम कमांडर सुखलाल शामिल है। इसके साथ ही कंपनी नंबर-1 के सदस्य हिमांशु ने भी सरेंडर किया है। दोनों लंबे समय से अबूझमाड़ के कुतुल इलाके में एक्टिव थे। सुखलाल पर 8 लाख का इनाम था। नारायणपुर में समर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को शासन की ओर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। सभी को 50-50 हजार रुपए का चेक दिया गया है। एसपी रॉबिनसन गुड़िया ने कहा कि यह आत्मसमर्पण अबूझमाड़ में सक्रिय नक्सलियों के बीच बड़ा संदेश देगा। आने वाले दिनों में और भी माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे।

दंतेवाड़ा में इन 21 नक्सलियों ने किया सरेंडर

केये उर्फ केशा लेकाम 24 वर्ष 08 लाख रुपये का इनाम, कुमारी मंगली कोवासी 35 वर्ष, दो लाख रूपये का ईनाम, बुधराम कोवासी 20 वर्ष, दो लाख रूपये का इनाम, सन्नू कुंजाम 33 वर्ष, दो लाख रुपये का इनाम, देवे मड़काम 32 वर्ष, दो लाख रुपये का इनाम, छोटू उर्फ बुधराम बेरता 35 वर्ष, दो लाख रुपये का इनाम, भीमसन हेमला 40 वर्ष, दो लाख रुपये का इनाम, सोमे उर्फ जमली कुहड़ाम 19 वर्ष, एक लाख का इनाम, लक्ष्मण उर्फ राजू कर्मा 31 वर्ष, एक लाख रुपये का इनाम, कुमारी कमली मिड़ियाम 30 वर्ष, एक लाख रुपये का इनाम, कुमारी हिड़मे उर्फ विज्जो ओयाम 25 वर्ष, 1 लाख रूपये का इनाम, मंगडू उर्फ विनोद लेकाम 25 वर्ष, एक लाख रुपये का इनाम, कुमारी पोज्जे मड़काम 26 वर्ष, 50 हजार रूपये का इनाम, देवा मण्डावी 35 वर्ष, मनीराम पोड़ियाम 29 वर्ष, हिड़मा कुहड़ाम 45 वर्ष, सुकड़ा उर्फ मोतीलाल कुहड़ाम 40 वर्ष, सुशिला कड़ती 27 वर्ष, कमली कड़ती 36 वर्ष, सुधरू भोगाम 40 वर्ष, बैसू राम जुर्री 45 वर्ष शामिल हैं।

अधूरे पुल निर्माण की वजह से गई एक युवक की जान

श्रीकंचनपथ

राजनांदगांव। कन्हारपुरी इलाके में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां अधूरे पुल और लापरवाहियों के कारण 27 वर्षीय युवक की जान चली गई। मृतक का नाम आकाश साहू बताया जा रहा है, जिसकी शादी मात्र चार महीने पहले हुई थी। हादसा कैसे हुआ जानकारी के अनुसार, जिस पुल पर हादसा हुआ, वह बीते दो माह से अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य रुकने के बावजूद वहां न तो बैरिकेट लगाए गए थे और न ही चेतावनी बोर्ड। अंधेरे में सड़क पर बना गड्ढा साफ दिखाई नहीं दिया और आकाश साहू उसमें गिर पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा इंतजाम किए जाते, तो इस हादसे को रोका जा सकता था।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण एजेंसी और विभाग की सुस्ती के कारण यह स्थिति बनी। सड़क और पुल निर्माण कार्य अधूरा छोड़कर बिना किसी सुरक्षा चिन्ह या अवरोधक के जनता को असुरक्षित मार्ग पर चलने के लिए छोड़ दिया गया। हादसे के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। परिजनों का दुख आकाश साहू की शादी चार महीने पहले ही हुई थी। परिवार के लिए यह हादसा असहनीय है। गांव वालों ने बताया कि परिवार ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक साधारण सी लापरवाही उनके बेटे की जान ले लेगी। पत्नी और परिजनों की हालत बेहद खराब बताई जा रही है। यह घटना एक बार फिर से सरकारी सिस्टम की सुस्ती और लापरवाही को उजागर करती है। ग्रामीणों का कहना है कि जब निर्माण कार्य लंबे समय तक अधूरा पड़ा हो, तो सुरक्षा उपायों की जिम्मेदारी किसकी होती है? क्या विभाग इस तरह की घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं है?

स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इस मामले में जांच की जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अधूरे प्रोजेक्ट्स को सुरक्षित तरीके से बैरिकेड और चेतावनी बोर्ड लगाकर छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में किसी और की जान न जाए। घटनास्थल का हाल घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि पुल पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। कई जगह सड़क अधूरी है। बारिश के कारण जगह-जगह पानी भर गया था, जिससे गड्ढा और भी खतरनाक हो गया। किसी प्रकार का लाइटिंग सिस्टम भी नहीं था। घटना के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि हादसे के बाद सक्रिय होना समस्या का समाधान नहीं है। असली जिम्मेदारी हादसे से पहले सुरक्षा देने की होती है।

युवक ने प्रेमजाल में फंसाकर किया युवती से दुष्कर्म, हुई गर्भवती, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

बिलासपुर। कॉलेज स्टूडेंट ने पोस्टर मास्टर युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाया। शादी करने का वादा कर उसके साथ रेप किया। युवती जब प्रेग्नेंट हुई तो गर्भपात की दवाई खिला दी। अब युवक ने शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, जशपुर जिले के कांसाबेल क्षेत्र के नारायण बहली निवासी मनीष कुमार साहू उर्फ सूरज (30) पिता मानेश्वर साहू बिलासपुर में DLS कॉलेज में एमएससी की पढ़ाई करता था। वहीं, जशपुर जिले निवासी 24 वर्षीय आदिवासी युवती डॉक विभाग में पोस्टमास्टर है। युवक के रिश्तेदारों ने पोस्ट ऑफिस में रुपए इन्वेस्ट किया है। जिस पर युवक पोस्ट ऑफिस पैसे जमा करने जाता था। इसी दौरान साल 2023 में उसकी पहचान युवती से हुई। जिसके बाद दोनों की पहचान दोस्ती और फिर प्यार में बदल गया।

युवती ने पुलिस को बताया कि, मनीष ने उससे प्यार का इजहार किया और शादी करने का वादा किया। वो सरकंडा के अशोक नगर में किराए के मकान में रहता था, जहां उसे मिलने बुलाया। जब वो मिलने आई, तब उसने उसके साथ रेप किया। युवती के मना करने पर उससे शादी करने की बात कही। इसके बाद युवक उसके साथ शादी करने का झांसा देकर लगातार शारीरिक संबंध बनाने लगा। जिसके चलते युवती प्रेग्नेंट हो गई। युवती ने इस घटना की जानकारी दी, तब युवक ने शादी के बाद बच्चा लेने की बात कहकर उसे आम जूस के साथ गर्भपात की दवाई मिलाकर पिला दिया। इसके बाद युवती लगातार अपने प्रेमी पर शादी करने के लिए दबाव बनाने लगी। लेकिन, टालमटोल करते रहा। आखिरकार परेशान होकर युवती ने मामले की शिकायत पुलिस से की। जिस पर पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जमीन विवाद को लेकर पड़ोसी की हत्या का प्रयास, पिता-पुत्र गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

रायगढ़। खरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम चपले में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ संघर्ष गंभीर घटना का रूप ले लिया । इस दौरान आरोपी पिता-पुत्र ने पड़ोसी अधेड़ व्यक्ति पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। खरसिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास के अपराध में न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

घटना के संबंध में ग्राम चपले निवासी विमला पटैल (43 वर्ष) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका चपले डीपापारा में मकान है जिसे किराए पर दिया गया है। उक्त मकान के पास ही ओमशंकर पटैल का भी मकान स्थित है। जमीन के सीमांकन को लेकर ओमशंकर और उसके पिता जोहित राम पटैल पूर्व में कई बार विवाद कर चुके थे। 18 अगस्त की शाम विमला पटैल के पति पुरुषोत्तम पटैल और जेठ कमल प्रसाद पटैल (55 साल) मकान के सामने मेन गेट लगवा रहे थे, तभी ओमशंकर और उसके पिता पहुंचे और गेट लगाने से मना करते हुए विवाद करने लगे। विवाद के दौरान जोहित राम ने बेटे ओमशंकर को मारने के लिए उकसाया, जिस पर ओमशंकर अपने दुकान से चाकू लेकर आया और कमल प्रसाद पटैल पर जानलेवा हमला कर दिया। चाकू के प्रहार से कमल प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। श्रीमती विमला पटैल की रिपोर्ट पर खरसिया पुलिस ने अपराध क्रमांक 451/2025 धारा 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की।

सिर पर गिरा लोहे का पाइप, मासूम की मौत

बिलासपुर। सिविल लाइन क्षेत्र के तालापारा स्थित घोड़ादाना स्कूल परिसर में रखे डीजे का पाइप तीन साल की मासूम के सिर पर गिर गया। इस हादसे में मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा स्कूल व आंगनबाड़ी परिसर में डीजे संचालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक लोहे का पाइप और अन्य उपकरण रख देने से हुआ। पुलिस ने आरोपी डीजे संचालक के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रेमिका से दोस्तों के साथ मिलकर किया गैंगरेप और हत्या

श्रीकंचनपथ

कोरबा। जिले में राशन लेने गई महिला से गैंगरेप कर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के बाद लाश को बोरी में भरकर नाले में फेंक दिया। मंगलवार को पुलिस ने महिला के बॉयफ्रेंड और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है। जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। यह मामला कोरबी पुलिस चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक 35 साल की महिला का गांव के उमेंद्र प्रसाद बिंझिया (45) से अफेयर था। आरोपी ने महिला को घर छोड़ने के बहाने बाइक पर बैठाया और जंगल ले गया। इसके बाद उसने अपने दोस्त संतराम उर्फ छोटू (28) और गुलाम सिंह के साथ मिलकर गैंगरेप किया।

जब महिला ने शिकायत की बात कही, तो आरोपियों ने गमछा से गला घोंटकर उसे मार डाला। इसके बाद लाश को बोरे में भरकर नाले में फेंक दिया। आरोपी की निशानदेही पर 24 दिन बाद पुलिस ने महिला का कंकाल बरामद किया है। दरअसल, महिला 28 जुलाई को घर से राशन सामग्री लेने के लिए सोसाइटी निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। 1 अगस्त को परिजन पुलिस चौकी पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच में कुछ अहम सुराग नहीं मिले। जब महिला के आखिरी बार उमेंद्र के साथ देखे जाने की जानकारी जुटाई गई, तो मामला संदिग्ध लगा। जांच के दौरान गांव के रहने वाले उमेंद्र प्रसाद बिंझिया को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। उसने अपराध कबूल कर लिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)

Email ID-eekhaira-phe@cg.gov.in

निविदा निरस्तीकरण

(जी. क्रमांक 252602722)

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्रमांक-18 दिनांक 07.08.2025 (सिस्टम क्रमांक 173415), ग्राम कोहकाबोड़ विकासखण्ड खैरागढ़ आमंत्रित की गई निविदा अपरिहार्य कारण से निरस्त की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
खैरागढ़ छुईखदान गण्डई (छ.ग.)

जी-252602921/3

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-नीलामी सूचना क्र.: COM/C/G/R/E-auction/25 दिनांक: 14.08.2025

रायपुर मंडल में अर्निंग और लिसिंग ठेकों के लिए ई-नीलामी निम्नानुसार आयोजित की जाएगी:

Sr.	Asset Description	Auction Date	Auction Time	
1	दुर्ग स्टेशन के पास वाई-शेप ब्रिज (पुराना रायपुर नाका) पर आउट ऑफ होम (ओओएच) के माध्यम से 05 वर्षों के लिए विज्ञापन अनुबंध के लिए निविदा।	29.08.2025	12:00	12:30
2	सुपेला भिलाई (बीआईए) और भिलाई नगर क्षेत्र के पास 05 साल के लिए आउट ऑफ होम (ओओएच) श्रेणी में होर्डिंग्स / यूनी-पोल के माध्यम से विज्ञापन अनुबंध के लिए निविदा।	01.09.2025	12:00	12:30
3	नेहरू नगर और पद्मनाभपुर, दुर्ग के पास आउट ऑफ होम (ओओएच) में होर्डिंग / यूनी-पोल के माध्यम से 05 साल के लिए विज्ञापन अनुबंध के लिए निविदा।	01.09.2025	12:00	12:40

सभी ई-नीलामी अधिसूचनाओं का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

मंडल वाणिज्य प्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

PR/R/SR.DCM/FL/142

South East Central Railway @secrail

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री साय ने किया सूरजपुर जिले में 211 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

किसान मेला सह जैविक मेला का किया गया शुभारम्भ, विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर जिले के तिलसिवां में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव कार्यक्रम का वर्चुअल रूप से शुभारंभ किया और 211 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने सूरजपुर के नए बस स्टैंड स्थित अटल परिसर में भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया तथा किसान मेला सह जैविक मेला का वर्चुअली शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हम सभी रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। यह अवसर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। बीते 25 वर्षों में राज्य ने विकास के अनेक आयामों को स्पर्श किया है और अब हमें नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने सभी नागरिकों से एकजुट होकर प्रदेश को प्रगति की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटल जी को नमन करता हूँ। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर यहां के लोगों को नई पहचान दी। वे देश और प्रदेश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे। मुख्यमंत्री ने वाजपेयी जी के राजनीतिक जीवन, काव्य प्रतिभा और राष्ट्रहित में किए गए कार्यों का भी स्मरण किया।

मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विगत 20 महीनों में मोदी की गारंटी के तहत अनेक जनकल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। इनमें धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से, 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता, तेंदूपत्ता संग्राहकों को पुनः चरण पादुका वितरण, किसानों को धान बोनस, 5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद, श्रद्धालुओं के लिए रामलला दर्शन योजना, बुजुर्गों के लिए 19 तीर्थ स्थलों की यात्रा और अटल डिजिटल सेवा केंद्रों की स्थापना शामिल है। मुख्यमंत्री साय ने नक्सल उन्मूलन पर बोलते हुए कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त करने के प्रयास तेज गति से चल रहे हैं और मार्च 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य है।

उन्होंने बताया कि कुख्यात नक्सली बसवराजू का सफाया किया गया है तथा बड़ी संख्या में सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य ने स्थापना के 25 वर्षों में विकास की नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण पर उपस्थित सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्रीअटल बिहारी वाजपेयी जी की ही देन है। उन्हीं के द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की गई, जिससे गांव-गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ा गया और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निरंतर जनहित एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पुल-पुलियों, पेयजल आपूर्ति और शहरी विकास के क्षेत्र में हुए कार्यों से न केवल ग्रामीण अंचलों में कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि नगरीय निकायों में भी आधारभूत संरचना का तेजी से विस्तार हुआ है।

मुख्यमंत्री साय ने सूरजपुर जिले को 211 करोड़ 33 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 78 करोड़ 78 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 37 कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिनमें लोक निर्माण विभाग के 04, लोक निर्माण विभाग (सेतु) के 03, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 20, नगरीय निकाय विभाग के 04, आदिवासी विकास विभाग के 03 तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 03 कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही 132 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से होने वाले 55 कार्यों का भूमि पूजन किया गया, जिनमें लोक निर्माण विभाग के 14, लोक निर्माण विभाग (सेतु) के 04, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 22, जल संसाधन विभाग सूरजपुर के 07, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 04, पुलिस विभाग का 01 तथा आदिवासी विकास विभाग के 03 कार्य सम्मिलित हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री साय ने किसान मेला सह जैविक मेला सह प्रदर्शनी सह प्रशिक्षण का भी शुभारंभ किया। आयोजित मेले में कृषि यंत्रों, जैविक खाद, कीटनाशक एवं बीज की नवीनतम किस्मों के साथ-साथ विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों को फसल चक्र परिवर्तन, फसल विविधीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने रोजगार से जुड़े ऐसे आयोजनों को युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण बताते हुए सभी हितग्राहियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। मछली पालन विभाग से आइस बॉक्स व नाव-जाल, समाज कल्याण विभाग से मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, स्वास्थ्य विभाग से वयवंदन, आयुष्मान एवं सिकल सेल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाबी और चेक, महिला एवं बाल विकास विभाग से एलआईसी बॉण्ड, महिला समूहों को ऋण चेक व बकरी पालन हेतु ऋण, कृषि विभाग से सिंचाई पंप, रामतिल बीज और नलकूप-पंप अनुदान प्रदान किए गए। साथ ही एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के 25 हितग्राहियों को रोजगार स्वीकृति आदेश भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणी पैकरा, रेखा राजवाड़े, लवकेश पैकरा, सूरजपुर जिले के रेडक्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में शिक्षा विभाग की पारदर्शी पहल

पदोन्नत प्राचार्यों की ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रारम्भ

ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रारंभ : पदोन्नत प्राचार्यों को ऑनलाइन काउंसिलिंग से मिलेगा पदस्थापना स्थल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज से राजधानी रायपुर स्थित शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर में पदोन्नत प्राचार्यों के लिए ऑनलाइन ओपन काउंसिलिंग की शुरुआत हो गई है। इस प्रक्रिया में कुल 845 नव पदोन्नत प्राचार्य शामिल होंगे।

संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति और मार्गदर्शन में काउंसिलिंग 20 अगस्त से 23 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से आयोजित होगी। प्रत्येक दिन दो पालियों में क्रमशः 150-150 प्राचार्यों को शामिल किया जाएगा। पदोन्नति आदेश एवं रिक्त पदों की सूची पूर्व में ही स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है, जिससे चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं सुगम हो।

सरकार द्वारा तय नियमावली एवं वरिष्ठता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, इसके बाद महिला और फिर पुरुष अभ्यर्थियों को वरिष्ठता क्रम से संस्था चयन का अवसर मिलेगा। एक वर्ष से कम अवधि में सेवानिवृत्त होने वाले प्राचार्यों को भी प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

काउंसिलिंग हेतु वेटिंग हॉल और काउंसिलिंग कक्ष निर्धारित कर दिए गए हैं, जहाँ केवल अभ्यर्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। सभी पदोन्नत प्राचार्यों को अपने सेवा प्रमाण पत्र और मान्य फेटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे।

काउंसिलिंग में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को अंतिम दिन 23 अगस्त को अवसर दिया जाएगा। काउंसिलिंग पूर्ण होने के पश्चात् शासन द्वारा पदस्थापना आदेश जारी किए जाएंगे तथा सभी को आदेश प्राप्ति के 7 दिवस के भीतर पदग्रहण करना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार ने शिक्षा विभाग में पारदर्शिता और सरलता लाने का संकल्प लिया है। इस पहल से अब प्राचार्यों की पदस्थापना की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सुविधाजनक हो गई है। पहले से ही रिक्त पदों का स्थान सार्वजनिक कर दिया गया है, जिससे सभी को अपने अधिकार और विकल्प स्पष्ट रूप से उपलब्ध हो सके।

लुण्ड्रा को मिला 10 करोड़ का विद्युत विस्तार, मुख्यमंत्री साय ने दी स्वीकृति

लो वोल्टेज की समस्या से मिलेगी ग्रामीणों को राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लुण्ड्रा विकासखंड के ग्रामीणों को लंबे समय से झेल रही लो वोल्टेज और बिजली आपूर्ति की समस्याओं से अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधायक प्रबोध मिंज की मांग पर क्षेत्र में विद्युत विस्तार कार्य के लिए 10 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के बाद लुण्ड्रा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को स्थायी समाधान मिलेगा।

स्वीकृति के अनुसार ककनी में 10 किलोमीटर 33 केवी लाइन और 9 किलोमीटर 11 केवी लाइन का विस्तार किया जाएगा। इसी तरह तुरियाबीरा में 10 किलोमीटर 33 केवी और 7 किलोमीटर 11 केवी लाइन बिछाई जाएगी। कुंवरपुर पंचायत में भी 1 किलोमीटर 33 केवी तथा 21 किलोमीटर 11 केवी लाइन का विस्तार होगा।

विधायक प्रबोध मिंज ने मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के लोग वर्षों से मूलभूत सुविधाओं की कमी झेल रहे थे। जनता की समस्याओं को दूर करना उनकी पहली प्राथमिकता है और मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

ग्रामीणों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए विधायक मिंज का आभार व्यक्त किया और कहा कि अब उनके गांवों में गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

पक्के मकान के बारे में कभी सोचा ही नहीं था बनने के बाद लगता है अपना भी एक घर है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण बृजमोहन खैरवार का वैसे तो खुद का अपना एक घर था, लेकिन उस घर में सुकून कम परेशानी ज्यादा थी। बृजमोहन को लगता था कि उसकी जिंदगी बस खेती-किसानी के कार्यों में उलझ कर गुजर जाएगी, पक्के मकान के लिए कभी पैसा नहीं जोड़ पाएगा। बृजमोहन की जिंदगी के कई साल ऐसे ही गुजर गए... पक्के मकान का सपना सपना ही बनकर रह गया। अपनी झोपड़ी को पक्का करने की चर्चा पत्नी और बच्चों से कई बार होती थी, लेकिन बात पैसों पर आकर अटक जाती थी और पक्के मकान का सपना पल भर में धराशायी हो जाता था।

पक्के मकान की हसरतों के बीच जब प्रधानमंत्री आवास योजना में बृजमोहन का नाम आया तो जैसे उसके सपने को पंख मिल गए। उसने कुछ राशि का इंतजाम किया और योजना से मिली राशि को मिलाकर अपना घर बनवा लिया। अब गाँव में बृजमोहन का भी पक्का मकान है जिसमें वह अपनी पत्नी इन्जोरा बाई और बच्चों के साथ बिना किसी परेशानी के रह रहे हैं।

कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के जटगा गांव के रहवासी बृजमोहन खैरवार बताते हैं कि वे वर्षों से झोपड़ी में रह रहे थे। समय के साथ झोपड़ी के जर्जर हो जाने पर बारिश के दिनों में हर साल परेशानी उठानी पड़ती थी। मरम्मत में हर साल खर्चा भी होता था। उसके पास इतने पैसे नहीं थे कि घर को पक्का बना सके। पूरे परिवार की इच्छा थी कि घर पक्का बन जाए, लेकिन पैसे का इंतजाम नहीं हो पाने से इच्छाएं अधूरी ही रह जाती थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम आने के बाद बृजमोहन ने कुछ राशि का इंतजाम किया और अपना पक्का मकान बनाया। उसके नए घर में अब सिर्फप्लास्टर का कार्य बचा है। जल्दी ही यह भी पूरा हो जाएगा। वे खुद का पक्का मकान बन जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं कि हमारा सौभाग्य है कि पीएम आवास योजना में नाम आया। हम सभी भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के आभारी हैं कि योजना में हमारे परिवार को चयनित कर मकान बनाने के लिए राशि प्रदान की।

आदि कर्मयोगी अभियानः प्रमुख सचिव बोरा ने ली प्रदेश के 28 जिलों के कलेक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

01 नवंबर को राज्य स्थापना की रजत जयंती एवं 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर होगा वृहद आयोजन अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा आज मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में 28 जिलों के कलेक्टर्स के साथ वीडियो कोफ्रेंसिंग के माध्यम से आदि कर्मयोगी अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 28 जिलों के 128 विकासखण्डों एवं 6650 आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में इस अभियान के माध्यम से शत प्रतिशत संतृप्ति के लक्ष्य को प्राप्त किया जाना है इसके लिए अन्य विभागों से भी आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि चिन्हांकित आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में जो भी क्रिटिकल गैप है उसे इस अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर आदि कर्मयोगी, ब्लॉक स्तर पर आदि सहयोगी एवं ग्राम स्तर पर आदिसाथी के माध्यम से पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस हेतु पूरे प्रदेश से लगभग 1.33 लाख वॉलंटियर तैयार किए जाने का लक्ष्य है, जो कि जमीनी स्तर पर जनजातीय समाज के लोंगों के बीच जाकर अभियान की सफलता को सुनिश्चित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा 6 अगस्त को आदि कर्मयोगी अभियान के संबंध में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को 16 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि इस अभियान हेतु रिस्पॉसिव गवर्नेंस प्रोग्राम के तहत राजधानी रायपुर में जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य तत्वाधान में संभागवार जिला मास्टर ट्रेनर्स के चार दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इसका मुख्य आयोजक है, जबकि इसमें बीआरएलएफ (भारत ग्रामीण आजीविका मिशन) द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पहले चरण में 11 से 14 अगस्त तक रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभाग एवं द्वितीय चरण 18 से 21 अगस्त में बस्तर एवं सरगुजा संभाग के जिला मास्टर ट्रेनर्स को अभियान की सभी सूक्ष्म जानकारियां राज्य मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दी जा रही है।

प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन द्वारा 12 अगस्त को संभागवार जिला मास्टर ट्रेनर्स के प्रथम सत्र का शुभारंभ किया गया था। इसी प्रकार 19 अगस्त को केन्द्रीय राज्य मंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय दुर्गादास उइके द्वारा इसके द्वितीय चरण के प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री रामविचार नेताम द्वारा भी सत्र को संबोधित किया गया।

प्रमुख सचिव ने बताया कि 01 नवंबर को राज्य स्थापना की रजत जयंती एवं 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर वृहद आयोजन किया जाना है। इसमें आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदिसाथी की सहभागिता को सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने 16 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 के मध्य जिलों में ष्सेवा पर्व एवं आदि कर्मयोगी सेवा अभियानष् के रूप में मनाए जाने के संबंध में रूपरेखा को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों को शामिल किए जाने के निर्देश दिए। बैठक को राज्य नोडल अधिकारी हृदेश कुमार, प्रबंध संचालक, ट्राईफेड द्वारा भी वर्चुअली मोड संबोधित कर जिला कलेक्टर्स को अभियान की सफलता सुनिश्चित करने का आव्हान किया गया। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स को अभियान की पूरी रूपरेखा की जानकारी होनी चाहिए। इस हेतु एक व्यापक कार्ययोजना बनाकर उसपर पूरी गंभीरता के साथ काम किया जाए। साथ ही जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तर पर भी अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950